राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,३जनवरी २०२१ वर्ष-३, अंक -३३५ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

### लव जिहाद- मंचे के दम पर धर्मांतरण की कोशिश, छात्रा बोली- पढ़ाई चौपट हो गई और टीबी की मरीज भी हुई

**फरीदपुर।** बीएससी नर्सिंग की छात्रा के सामने बदमाश ने तमंचा लहराकर शादी करने और धर्मांतरण का दबाव बनाया। चंगुल से छूटकर भागी छात्रा ने घर जाकर परिजनों को बताया। परिजनों ने उस बदमाश के घर शिकायत की। इस पर बदमाश अपने कुछ साथियों के साथ छात्रा के घर जा धमका और तमंचे लहराते हुए हत्या की धमकी दी। डिप्रेशन में आई छात्रा ने थाने में चीख-चीख कर कहा कि कार्रवाई नहीं हुई तो वह आत्महत्या कर लेगी। पुलिस ने फिलहाल तीन बदमाशों के खिलाफ लव जेहाद का मामला दर्ज कर लिया। छात्रा का आरोप है कि वह लम्बे समय से प्रताड़ना झेल रही है। इस कारण वह टीबी की मरीज हो गई और पढ़ाई भी चौपट हो गई। यह मामला उत्?तर प्रदेश के बरेली जिले के फरीदपुर का है। छात्रा के माता पिता का कई साल पहले निधन हो चुका था। वह अपने रिश्तेदार के यहां रह रही है। आरोप है लाइन पार मठिया नई बस्ती का अबरार खां छात्रा के साथ छेड़खानी करते हुए धर्मांतरण कराने का दबाव बना रहा था। छात्रा पढ़ाई की खातिर घरवालों को बगैर बताए उसका विरोध कर रही थी। छात्रा कॉलेज से पढ़ाई करके अपनी स्कूटी से घर वापस लौट रही थी। हाईवे पर निर्माणाधीन टोल प्लाजा के पास दबंग ने छात्रा को घेरकर रोक लिया। उसने छात्रा को स्कूटी से सरेआम खींच कर छेड़खानी शुरू कर दी। आरोप है दबंग ने शादी करने की जिद करते हुए छात्रा से धर्मांतरण कराने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। दबंग से छूटकर छात्रा अपने घर पहुंची उसने परिजनों को मामले की जानकारी दी। परिवार के लोगों ने विरोध किया। इसके बाद अबरार खां अपने साथी इसरार और मैसूर के साथ तमंचा लेकर छात्रा के घर पहुंच गए। उन्होंने तंमचा लहराकर छात्रा और उसके पूरे परिवार की हत्या करने की धमकी दी। शुक्रवार को छात्रा परिजनों के साथ थाने पहुंची उसे दबंग और उसके साथियों के खिलाफ तहरीर दी।

# यूपी गेट पर 24 घंटे में 2 किसानों की मौत, एक ने की आत्महत्या तो दूसरे की हार्ट अटैक से गई जान

**नई दिल्ली।** नए कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमा पर किसान संगठनों का आंदोलन शनिवार को 38वें दिन भी जारी है। कड़ाके की ठंड का उन पर कोई असर नहीं है और वे अपनी मांगों के पूरा होने तक धरना प्रदर्शन करने को कृत संकल्प हैं। किसान संगठनों के नेताओं का कहना है कि कृषि कानूनों की वापसी तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

इस बीच यूपी गेट पर किसान आंदोलन में शामिल एक बुजुर्ग किसान ने शनिवार सुबह आत्महत्या कर ली। किसान का शव बाथरूम के अंदर मिला। शव के पास से गुरुमुखी में लिखा एक सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है। मृतक किसान कश्मीर सिंह (57) रामपुर के बिलासपुर के रहने वाले थे। उन्होंने अपना अंतिम संस्कार यूपी गेट पर ही कराये जाने की इच्छा जताई है। मृतक का पुत्र और पोता भी यहीं आया हुआ है। इससे पहले कल यहां एक अन्य किसान की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। बीते 24 घंटे में मौत का यह दूसरा मामला है।

**किसान नेता युद्धवीर सिंह ने कहा कि अगर केंद्र सरकार सोचती है कि किसानों का विरोध शाहीन बाग की तरह हो जाएगा, तो यह गलत है। उन्होंने कहा कि वे (सरकार) हमें इस जगह से वैसे नहीं हटा सकते हैं, जैसा उन्होंने शाहीन बाग में किया था। किसान नेताओं ने कहा कि अगर सरकार चार जनवरी को उनके पक्ष में फैसला नहीं लेती है तो वे कड़े कदम उठाएंगे।**

पंजाब, राजस्थान और कई अन्य राज्यों से किसानों के नए-नए जत्थे दिल्ली की सीमाओं पर पहुंचने लगे हैं। किसान संगठनों के लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली से आ रहे हैं। वे अपने साथ राशन-पानी भी ला रहे हैं। नए जत्थों में युवाओं के अलावा महिलाएं और बच्चे भी हैं। सरकार और किसान संगठनों के बीच 4 जनवरी को अगले दौर की बातचीत होने वाली है। सरकार और किसान संगठनों के बीच दो मामलों पर सहमति बनी है, जिनमें बिजली बिल पर सब्सिडी जारी रखना और पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ कार्रवाई नहीं किया जाना प्रमुख है।

**4 जनवरी की वार्ता विफल हुई तो सख्त कदम उठाएंगे किसान संगठन**

केंद्र के साथ अगले दौर की बातचीत से पहले अपने तेवर सख्त करते हुए किसान संगठनों ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि अगर सरकार 4 जनवरी की बैठक में तीन नए कृषि कानूनों को रद्द करने और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी गारंटी देने की उनकी मुख्य मांगों को हल करने में नाकाम रहती है तो वे हरियाणा में सभी मॉल और पेट्रोल पंप बंद करना शुरू कर देंगे। सिंघु बॉर्डर प्रदर्शन स्थल पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कृषक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार के साथ अब तक हुई बैठकों में किसानों द्वारा उठाए गए मुद्दों में से केवल पांच प्रतिशत पर चर्चा हुई है। उन्होंने अपनी मुख्य मांगों के पूरा नहीं होने पर कदमों की चेतावनी दी।

किसान नेता युद्धवीर सिंह ने कहा कि अगर केंद्र सरकार सोचती है कि किसानों का विरोध शाहीन बाग की तरह हो जाएगा, तो यह गलत है। उन्होंने कहा कि वे (सरकार) हमें इस जगह से वैसे नहीं हटा सकते हैं, जैसा उन्होंने शाहीन बाग में किया था। किसान नेताओं ने कहा कि अगर सरकार चार जनवरी को उनके पक्ष में फैसला नहीं लेती है तो वे कड़े कदम उठाएंगे। स्वराज इंडिया के नेता योगेंद्र यादव ने कहा कि तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करना और एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी जैसे दो मुख्य मुद्दों पर सरकार एक इंच भी नहीं बढ़ी है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी के मुद्दे पर सैद्धांतिक रूप से प्रतिबद्धता जताने से इनकार किया है। अगले कदम का जिक्र करते हुए यादव ने कहा कि केंद्र सरकार के साथ बातचीत जारी रहेगी और वहीं किसान संगठन एक साथ विरोध को तेज करेंगे और इसे देश के हर कोने में ले जाएंगे।

**मॉल और पेट्रोल पंपों को बंद कराने की चेतावनी**

इस दौरान एक अन्य किसान नेता विकास ने कहा कि अगर सरकार के साथ 4 जनवरी की बैठक में गतिरोध दूर नहीं होता है तो हम हरियाणा में सभी मॉल, पेट्रोल पंपों को बंद करने की तारीखों की घोषणा करेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक में कई निर्णय लिए गए। दिल्ली की सीमाओं पर लगभग 40 किसान यूनियन संयुक्त किसान मोर्चे के तहत आंदोलन कर रही हैं।

किसान यूनियनों के अनुसार, यदि 4 जनवरी की वार्ता के परिणाम संतोषजनक नहीं होते हैं, तो प्रदर्शन स्थल से कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे पर छह जनवरी को ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा। इसके अलावा उन किसानों से दिल्ली की ओर बढ़ने का आह्वान किया जाएगा जो हरियाणा-राजस्थान सीमा पर शाहजहांपुर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

किसान नेताओं ने कहा कि प्रदर्शन के पंजाब तक सीमित रहने के सरकार के कथित दुष्प्रचार का मुकाबला करने के लिए 6 जनवरी से 20 जनवरी तक देशभर में रैलियां, धरने, और संवाददाता सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। किसान नेताओं ने कहा कि 18 जनवरी को महिला दिवस मनाया जाएगा और 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

## बंगाल में महिला तय करेंगी किसके सिर सजेगा ताज, बीजेपी और टीएमसी महिला वोटर्स को लुभाने में जुटीं

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा महिलाओं मतदाताओं का समर्थन हासिल करने के प्रयास के तहत महिलाओं से जुड़े मुद्दे रेखांकित कर रही हैं। राज्य के कुल मतदाताओं में से महिला मतदाताओं की संख्या करीब 49 प्रतिशत है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों एक-दूसरे पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल होने का आरोप लगा रही हैं। साथ ही दोनों पार्टियां केंद्र और राज्य में दोनों पार्टियों की संबंधित सरकारों द्वारा महिलाओं के लिए शुरू की गई विकास संबंधी योजनाओं को भी रेखांकित कर रही हैं। 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव इस साल अप्रैल-मई में होने की संभावना है। राज्य के 7.18 करोड़ मतदाताओं में से 3.15 करोड़ महिलाएं हैं। महिला मतदाताओं पर ध्यान ऐसे समय पर केंद्रित किया जा रहा है जब आंकड़ों से यह पता चला है कि महिलाओं के चलते बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम राजग के पक्ष आए थे। महिला मतदाता ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस के समर्थन में मजबूती से खड़ी रही हैं लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में उनमें से कई ने भाजपा का समर्थन किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2019 के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के बाद अपनी सरकार की विकास योजनाओं और भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि को उजागर करने के लिए पार्टी के गैर राजनीतिक मोर्चे बोंगो जननी का गठन किया। महिलाओं के मुद्दों से निपटने में लापरवाह रवैए के लिए भाजपा की आलोचना करने के अलावा, बोंगो जननी की पहुंच अभियान के तहत तृणमूल कांग्रेस सरकार की महिला-केंद्रित पहलों जैसे कि स्वास्थ्य साथी स्वास्थ्य योजना और बाल विवाह को रोकने के लिए रूपश्री प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण योजना को रेखांकित किया जा रहा है।

## लद्दाख में कोई भी हिमाकत करने से पहले 100 बार सोचेगा चीन, भारत ने की पुख्ता तैयारी

**नई दिल्ली।** पूर्वी लद्दाख में अप्रैल महीने से भारत-चीन के बीच सीमा विवाद के चलते तनावपूर्ण माहौल कायम है। दोनों देशों के बीच कई दौर की बातचीत के बावजूद भी कोई ठोस हल नहीं निकल सका है। इसके पीछे की एक वजह चीन की वह चालबाजी भी है, जो पड़ोसी देश समय-समय पर दिखाता रहता है। ड्रैगन की लगातार धोखेबाजी के बाद भी भारतीय सेना पूरी तरह से सचेत है और उसकी किसी भी हिमाकत का जवाब देने के लिए तैनात है। सेना ने हाल ही में पैंगोंग झील को चीन की बुरी नजरों से बचाने के लिए कुछ बोट्स (नावों) का ऑर्डर दिया है। दरअसल, इसकी मदद से पैंगोंग झील समेत पूर्वी लद्दाख के इलाकों में स्थित वॉटर बॉडीज पर नजर रखी जा सकेगी और जवान उसकी पेट्रोलिंग कर सकेंगे। इस कदम के बाद भारतीय सेना की ताकत लद्दाख में और अधिक बढ़ जाएगी।

**नए साल पर पहला डिफेंस कॉन्ट्रैक्ट**-सेना द्वारा किया गया यह कॉन्ट्रैक्ट नए साल का पहला डिफेंस कॉन्ट्रैक्ट होगा। सेना ने बोट्स का कॉन्ट्रैक्ट आत्मनिर्भर भारत कैंपेन के तहत घरेलू शिपयार्ड के साथ किया है। इसमें सबसे अच्छी बात यह भी होगी कि देरी भी नहीं होगी और इसी साल बोट्स मिलनी भी शुरू हो जाएंगी। सेना ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि भारतीय सेना ने रूह्य गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के साथ 12 फास्ट पेट्रोल बोट्स के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। इससे उच्च ऊंचाई समेत अन्य इलाकों में वॉटर बॉडीज पर नजर रखते हुए उनकी पेट्रोलिंग की जा सकेगी। पैंगोंग सो झील में भारत-चीन, दोनों की सेनाएं नावों का इस्तेमाल पेट्रोलिंग के लिए करती हैं।

**इस बारे में एक्सपर्ट्स क्या सोचते हैं?**

एक्सपर्ट्स का कहना है कि सेना को चीनियों से मुकाबला करने के लिए नई नावों की जरूरत थी। पूर्व उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीएस जसवाल (रिटायर्ड) ने कहा, चीनी बेहतर नावों का उपयोग कर रहे हैं और वे नावों को तेज गति से चलाते हैं। इससे बड़ी लहरें पैदा होती हैं और हल्के भारतीय गश्ती नौकाओं को दूसरी ओर धकेलती हैं। भारतीय सेना को पहले की तुलना में और अधिक शक्तिशाली नावों की आवश्यकता थी, जिनका अब ऑर्डर दिया गया है।भारतीय नौसेना ने पिछले साल लद्दाख में एक दर्जन से अधिक हाई पावर वाली, बड़ी और शीर्ष-पंक्ति वाली नावें भेजी थीं।

## अभी और सताएगी ठंड, नोएडा के कुछ हिस्सों में बारिश, दिल्ली-यूपी में भी अलर्ट

**नई दिल्ली।** उत्तरी भारत में ठंड का कहर बराबरा बना हुआ है। कल राजधानी में मौसम का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया। शनिवार सुबह नोएडा सहित दिल्ली एनसीआर के कुछ हिस्सों में बारिश हुई। बारिश से ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। हालांकि मौसम विभाग ने जानकारी दी थी कि कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी थी कि शनिवार को दिल्ली समेत हरियाणा और उत्तरप्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की तीव्रता के साथ बारिश हो सकती है, जिससे ठंड बढ़ जाएगी। बता दें कि दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर कृषि कानूनों के विरोध में किसानों को इसके

चलते परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आईएमडी ने बताया हरियाणा के झज्जर, रोहतक, जींद, पानीपत, करनाल, कैथल और उत्तर प्रदेश के शामली, देवबंद और सहारनपुर के कुछ हिस्सों में और आसपास के क्षेत्रों में हल्की तीव्रता की बारिश होने की संभावना है। अगले 2 घंटों के दौरान दक्षिण-पश्चिम और पश्चिमी दिल्ली के अलग-अलग स्थानों पर बारिश भी हो सकती है।

## किसान आंदोलन से दिल्ली-एनसीआर को अब तक 27000 करोड़ का नुकसान, कैट का आकलन

**नई दिल्ली।** किसान आंदोलन की वजह से दिल्ली व एनसीआर राज्यों को अभी तक 27 हजार करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा है। व्यापारिक संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस व्यापारिक नुकसान का आकलन जारी किया है। नए कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमा पर किसान एक महीने से अधिक समय से आंदोलित हैं। इस वजह से दिल्ली से कई राज्यों को जोड़ने वाली सड़कें बंद हैं। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया व राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा की पंजाब

और हरियाणा से दिल्ली आने वाले माल की आपूर्ति पर बड़ा फर्क पड़ा है। इन दोनों राज्यों से विभिन्न वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हुई है। वहीं, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र एवं देश के अन्य राज्यों से दिल्ली आने वाले सामान की आपूर्ति पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। दोनों व्यापारी नेताओं ने कहा कि दिल्ली में प्रतिदिन लगभग 50 हजार ट्रक देशभर के विभिन्न राज्यों से सामान लेकर दिल्ली आते हैं। लगभग 30 हजार ट्रक प्रतिदिन दिल्ली से बाहर अन्य राज्यों के लिए सामान लेकर जाते हैं। किसान आंदोलन के चलते न केवल दिल्ली सामान आने पर बल्कि दिल्ली से सम्पूर्ण देश में सामान जाने पर भी काफी प्रभाव पड़ा है। ऐसे में जितना जल्दी सरकार और किसान नेताओं के बीच चर्चा के जरिये समाधान निकल जाए उतना अच्छा होगा। कैट ने कहा है कि कैट व ट्रांसपोर्ट सेक्टर के सबसे बड़े संगठन ऑल इंडिया ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन (एटवा) के संयुक्त प्रयासों से आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए काम किया जा रहा है। इसके लिए अन्य राज्यों से दिल्ली में सामान लेकर आने वाले वाहनों को राजमार्ग को छोड़कर अन्य वैकल्पिक मार्गों से काफी लंबा चक्कर लगा कर दिल्ली आना पड़ रहा है।

# फेंके गए बाल कर रहे मालामाल, जानें कहां और कैसे बिकता है

**कानपुर।** आपको जानकर आश्चर्य होगा कि जिन बालों को कटने के बाद हम छूना भी पसंद नहीं करते, उनकी कीमत चांदी से भी ज्यादा है। जी हां। इन बालों की नीलामी होती है। कीमत भी ऐसी वैसी नहीं बल्कि बालों की लंबाई के हिसाब से। 20 से 28 इंच के बाल 20 हजार से 40 हजार रुपये किलो बिकते हैं तो 50 इंच के बाल 70 हजार रुपये किलो तक पहुंच जाते हैं। सबसे सस्ते बाल 10 हजार रुपये किलो होते है। और यही फेंके हुए बाल दो युवा उद्यमियों को मालामाल कर रहे हैं।

**तिरुपति बालाजी दर्शन करने गए और आइडिया लेकर लौटे**

कुछ करने की ललक हो तो कोई भी काम कठिन नहीं। युवा उद्यमियों शिल्पा गुप्ता और आशीष धवन ने इसे साबित कर दिखाया है। इनोवेशन के दम पर कुछ हटकर बिजनेस शुरू किया और सफलता का मुकाम हासिल कर लिया। सात साल पहले तक ये दोनों सामान्य जिंदगी जी रहे थे। छोटी सी कंपनी में नौकरी करते थे। एक बार परिवार के साथ तिरुपति बालाजी दर्शन करने गए। वहां लोगों को अपने बाल दान करते देखा। उन्हें लगा कि बाल फेंक दिए जाते होंगे , लेकिन यह जानकर अचरज में पड़ गए कि दान किए गए इन बालों की कीमत करोड़ों में हो सकती है।

यहीं से उनके कारोबारी दिमाग में एक आइडिया ने जन्म लिया। कानपुर लौटे और इन फेंके गए बालों को फैशन की दुनिया से जोड़ दिया। डिजायनर हेयर स्टाइल तैयार किए और एक्सपोर्ट में कदम रखा। देखते ही देखते उनके नायाब बिजनेस को अमेरिका और

यूरोप ने हाथोंहाथ ले लिया। इसी का नतीजा है कि 27 साल की उम्र में इन दो युवाओं का हेयर बिजनेस 8 लाख डॉलर तक पहुंच गया। कानपुर के फजलगंज और आंध्र प्रदेश में बाल बनाने वाली फैक्टरियां खड़ी कर दी हैं।

दिल्ली की रहने वाली शिल्पा ग्रेजुएट हैं तो कानपुर के सरोजनी नगर निवासी आशीष ने एमबीए और एलएलबी किया है। तिरुपति से लौटने के बाद उन्होंने इंटरनेशनल साइंस का अध्ययन किया। बालाजी में जाकर रिसर्च की। मार्केट से फीडबैक लिया तो पाया कि केवल यूरोप और अमेरिका ही नहीं भारत में भी डिजायनर हेयर की बड़ी मांग है। आज ये युवा उद्यमी बालों से बनी हर चीज बनाते हैं। सिर के खालीपन को बालों से भरने से लेकर केरोटिन, क्लीपिंग, टॉपर्स, बंडल्स या विफ्ट हेयर, विग और भौहें तक असली बालों से तैयार करते हैं।

**आसान नहीं कारोबार**

असली बालों को फैशन की दुनिया से जोड़ने का कारोबार आसान नहीं है। सबसे पहले खरीदे गए बालों की क्वालिटी देखी जाती हैं। दान के दौरान बाल जब सिर से हटाए जाते हैं तो उसके बाद गुच्छों के तौर पर रख दिया जाता है। इनमें हर तरह के बाल मिक्स होते हैं। बाल काफी गंदे होते हैं। फैक्टरी में उनकी क्लीनिंग होती है। इसके बाद तरह-तरह के शेप दिए जाते हैं। बच्चों से लेकर बूढ़ों तक के डिजायनर बाल तैयार किए जाते हैं।

**इस साल 10 लाख डॉलर का लक्ष्य**

शिल्पा के मुताबिक आज बालों का कलर ड्रेस के साथ मैच करने का चलन है। बड़ी संख्या में लोग बालों को कलर करवाने से परहेज करते हैं। ब्राइडल हेयर, ब्लांड और रंग-बिरंगे बालों को तैयार करना वाकई दिलचस्प होता है। बालों से तैयार प्रोडक्ट की लाइफ एक से चार साल होती है। अमेरिका और यूरोप में इनकी सबसे ज्यादा डिमांड है क्योंकि वहां कपड़ों के रंग और रोजमर्रा की जिंदगी में विग पहनते हैं। ये फैशन स्टेटस बन गया है। आज ये बाजार 12 प्रतिशत की ग्रोथ से बढ़ रहा है। पिछले साल 8 लाख डॉलर का काम किया। कोरोना में बिजनेस नीचे आया लेकिन इस वर्ष 10 लाख डॉलर का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि इस कारोबार को विदेशों तक पहुंचाने में फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन और फियो के सलाहकार वाई एस गर्ग ने अहम भूमिका निभाई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

## मौसम की मार

राष्ट्रीय राजधानी में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने नए साल का स्वागत किया है। दिल्ली में कहीं-कहीं पारा 1.1 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। कोहरे की वजह से जनजीवन और यातायात प्रभावित हो गया। इससे पहले 8 जनवरी, 2006 को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। पिछले साल जनवरी में इतनी ठंड नहीं थी। पिछली जनवरी में सबसे कम तापमान 2.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था, लेकिन इस बार पहली ही जनवरी को सफदरजंग, दिल्ली में तापमान 1.1 डिग्री सेल्सियस पर रिकॉर्ड होते ही भारतीय मौसम विभाग ने बता दिया कि यह पिछले 15 वर्ष में नववर्ष का सबसे ठंडा पहला दिन है। हमें सावधान रहना चाहिए। आने वाले दिनों में न केवल सर्दी बढ़ने वाली है, बल्कि कोहरे का भी प्रकोप बना रह सकता है। साल के पहले दिन कोहरा इतना घना था कि दृश्यता पचास मीटर से भी कम हो गई थी। पहाड़ी प्रदेशों में बर्फीला आलम है, तो उत्तर प्रदेश और बिहार में भी शीत लहर की स्थिति है। इसके साथ ही जुड़ी एक महत्वपूर्ण सूचना है कि उत्तर भारत में आगामी तीन से पांच जनवरी तक बारिश की आशंका है। यह नई बात नहीं है, भारत में मौसम बड़ा दिलचस्प विषय है। लेह, श्रीनगर में तापमान माइनस में चला जा रहा है। मिसाल के लिए, दिल्ली में जहां अधिकतम तापमान 16 डिग्री के आसपास चल रहा है, वहीं मुंबई में न्यूनतम तापमान 22 डिग्री और चेन्नई में 21 डिग्री दर्ज किया गया है। कोलकाता में भी ठंड है, जहां न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस है। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को समुद्र के पास होने के कारण राहत है, जबकि दिल्ली में पहाड़ों से ठंड बहती आ रही है। बाकी तीन महानगरों में जहां तापमान अपेक्षाकृत संतुलित रहता है, वहीं दिल्ली का हाल न केवल सर्दियों में बुरा रहता है, बल्कि गरमियां भी यहां कहर ढाती हैं। पिछली गरमियों में लॉकडाउन के दौरान दिल्ली में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया था। मौसम का यह उतार-चढ़ाव दरअसल दिल्ली का अपना दर्द या दस्तूर है। क्या दिल्ली को ऐसी भयानक ठंड और गरमी से बचाया जा सकता है? हां, दिल्ली के समाज में खुशहाली और संसाधनों की कमोबेश समानता लाकर मौसम के कहर से निपटा जा सकता है, पर इसका असली दर्द है प्रदूषण। यहां इन दिनों की हवा सांस लेने लायक नहीं है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने गुरुवार को दिल्ली और एनसीआर के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को वायु प्रदूषण रोकने के लिए तत्काल व प्रभावी कदम उठाने को कहा है। दिल्ली के बारे में वाकई सोचने की जरूरत है। ठंड, कोहरा, शीतलहर, गरमी, लू इत्यादि पर हमारा जोर नहीं है, लेकिन प्रदूषण के मोर्चे पर तो हम जरूर काम कर सकते हैं। पर क्या हम दिल्ली में प्रदूषण को लेकर पर्याप्त गंभीर हैं? अभी आंदोलित किसानों को मनाने के लिए केंद्र सरकार जिस तरह से पराली जलाने संबंधी कुछ रियायत देने को तैयार हुई है, उससे भी यही लगता है कि हम एक अच्छा-कड़ा कदम बढ़ाने के बाद उसे आधा पीछे खींचने से पहले दिल्ली के जानलेवा मौसम के बारे में नहीं सोचते हैं। आज ठिठुरती दिल्ली परेशान है, अगर वह अलाव भी जलाएगी, तो इससे प्रदूषण बढ़ेगा। बेशक, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को इस मजबूरी से निकालना चाहिए, ताकि वह देश के लिए एक मिसाल बने।

# मजबूत विपक्ष से जनतांत्रिक मूल्यों की रक्षा

विश्वनाथ सचदेव

राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष नहीं हैं, पर इस माने में हैं भी कि कांग्रेस वाले उन्हें अध्यक्ष ही मानते हैं। शायद यही कारण रहा होगा कि कांग्रेस पार्टी के 136वें स्थापना दिवस पर नयी दिल्ली के कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उनकी अनुपस्थिति को इतना तूल दे दिया गया है। वस्तुत- तूल भारतीय जनता पार्टी ने दिया है। गिनने का दावा करने वालों का कहना है कि भाजपा के 38 मंत्रियों ने ट्वीट करके या अन्यत्र बयान देकर राहुल गांधी की इटली-यात्रा पर आलोचनात्मक टिप्पणी की थी। हां, कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि वे अपने नज़दीकी रिश्तेदार की बीमारी के कारण इटली में अपने ननिहाल पहुंचे हैं। हो सकता है, ऐसा ही हो। पर, इस तरह अचानक रहस्यमय ढंग से 'गायब' हो जाना अब राहुल गांधी की आदत ही बन चुका है। आराम करने के लिए छुट्टी बिताना या नये वर्ष का त्योहार मनाने के लिए कहीं जाना गलत नहीं माना जाना चाहिए। यह किसी का भी वैयक्तिक निर्णय हो सकता है, और किसी यात्रा की गोपनीयता भी निजी अधिकार मानी जा सकती है। यह सामान्य व्यवहार की बात है। लेकिन, यह भी सच है कि सार्वजनिक जीवन में हिस्सेदारी करने वाले व्यक्ति की ऐसी वैयक्तिक स्वतंत्रता कुछ बाधित तो हो ही जाती है-- खासतौर पर तब जब वह व्यक्ति कांग्रेस जैसी पार्टी का पूर्व अध्यक्ष हो और जिसके आगामी अध्यक्ष बनने की चर्चा चल रही हो। बहरहाल, बेहतर होता यदि राहुल गांधी इस तरह की अनावश्यक गोपनीयता से बचते। उनका इस तरह का व्यवहार अक्सर विवादों का कारण बना है और उनकी छवि एक पार्ट टाइम राजनेता की बनती जा रही है। 136 साल के शानदार अतीत वाली पार्टी के किसी बड़े नेता की यह छवि पार्टी के लिए तो अहितकर है ही, देश की जनतांत्रिक व्यवस्था की दृष्टि से भी चिंता की बात होनी चाहिए। यह सही है कि राहुल गांधी एक राजनीतिक दल के नेता हैं, पर यह राजनीतिक दल एक राजनीतिक दल मात्र नहीं है। बावजूद इसके कि इस बार की संसद में उसके मात्र इक्यावन सदस्य ही हैं, वह देश का प्रमुख विरोधी दल है। भले ही तकनीकी आधार पर भाजपा ने सदन में कांग्रेस पार्टी के नेता को 'नेता विपक्ष' का पद न लेने दिया हो, पर व्यवहार की दृष्टि से कांग्रेस ही सदन में सत्तारूढ़ दल पर नज़र रखने वाली पार्टी है। जनतंत्र में विपक्ष का महत्व सत्तारूढ़ पक्ष से कम नहीं होता। मज़बूत विपक्ष जनतंत्र की सफलता और उसके औचित्य की एक प्रमुख शर्त है। दुर्भाग्य से, आज भारत की संसद में विपक्ष उतना ताकतवर नहीं है, जितना उसे होना चाहिए था, पर यही वह कारण है जो कांग्रेस जैसी पार्टी से अतिरिक्त सजगता और प्रभावशाली ढंग से काम करने की अपेक्षा करता है। दुर्भाग्य की बात यह भी है कि कांग्रेस पार्टी न तो इस दायित्व को समझ पा रही है और न ही एक ज़िम्मेदार और प्रभावशाली विपक्ष की तरह काम करने के प्रति कोई बेचैनी उसमें दिखाई देती है। पिछले आम चुनाव में हुई पराजय के लिए उत्तरदायित्व स्वीकार करते हुए तत्कालीन अध्यक्ष राहुल गांधी ने जुलाई 2019 में अपने पद से इस्तीफा देकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया था। तब उन्होंने यह भी कहा था कि वे नहीं चाहते कि वे और उनके परिवार का कोई सदस्य इस पद को संभाले। परिवारवाद के आरोप से लदी कांग्रेस पार्टी के लिए यह एक चुनौती भी थी और एक अवसर भी। पर, दुर्भाग्य ही है कि 136 साल पुरानी, और एक लम्बे अर्से तक देश पर शासन करने वाली पार्टी, इस चुनौती को स्वीकार नहीं कर पायी। यह दुर्भाग्य सिर्फ कांग्रेस पार्टी का ही नहीं, देश का भी था। आज देश को एक मज़बूत और उत्तरदायी विपक्ष के रूप में कांग्रेस की आवश्यकता है। देश की राजनीतिक स्थिति कुछ इस तरह की बन चुकी है कि कांग्रेस ही भाजपा का विकल्प दिख रही है। एक मज़बूत विपक्ष हमारी ज़रूरत है। उम्मीद की जा रही थी कि कांग्रेस पार्टी इस ज़रूरत को पूरा करने के लिए गम्भीरता से विचार करेगी और स्वयं को इस काबिल बनाने का प्रयास करेगी। पर ऐसा होता दिख नहीं रहा। संकट किसी नेता के अचानक 'छुट्टी' पर चले जाना का नहीं है, संकट एक योग्य नेतृत्व को तलाश न कर पाने का है। कांग्रेस को बनाने में, और बनाये रखने में, नेहरू-गांधी परिवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, पर किसी एक व्यक्ति या परिवार पर निर्भरता पार्टी और देश, दोनों के हित में नहीं है। यह अच्छी बात है कि पार्टी के अध्यक्ष-पद के लिए चुनाव की तैयारी दिख रही है, पर ज़रूरी है कि यह काम जल्दी पूरा हो। बदलाव की अकुलाहट कांग्रेस के भीतर भी दिखाई दे रही है। चौबीस नेताओं द्वारा कार्यकारी अध्यक्ष को इस आशय का पत्र लिखा जाना निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण कदम था, पर ऐसे किसी भी कदम का औचित्य लक्ष्य तक पहुंचने से ही प्रमाणित होता है। स्थितियों को देखते हुए, भले ही राहुल गांधी का नेता चुना जाना प्रबल सम्भावना लगती हो, पर जनतांत्रिक मूल्यों का तकाज़ा है कि पार्टी के भीतर इस तरह की कवायद हो, ईमानदारी से चुनाव की प्रक्रिया पूरी की जाये और कांग्रेस पार्टी को सक्षम बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाये जाएं। आज देश के सामने अधिनायकवादी प्रवृत्तियों के सिर उठाने का भी खतरा है। आज़ादी प्राप्त करने के कई साल पहले जवाहरलाल नेहरू ने छद्मनाम से एक लेख लिखा था, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी थी कि कांग्रेस-अध्यक्ष का ज़रूरत से ज़्यादा ताकतवर होना और अध्यक्ष के प्रति एक प्रकार का भक्ति-भाव अध्यक्ष को तानाशाह बना सकता है। ज्ञातव्य है कि उस समय के कांग्रेस-अध्यक्ष का नाम था जवाहरलाल नेहरू। वस्तुत- वह चेतावनी जनतांत्रिक मूल्यों में विश्वास करने वाले एक नेता की थी। पर यह सच किसी एक पार्टी तक सीमित नहीं है। किसी भी पार्टी में यह खतरा पैदा हो सकता है। जब भी किसी नेता को यह अहसास होता है कि वह अपराजेय है, जनतांत्रिक मूल्यों के लिए यह एक खतरे का संकेत होता है। ऐसा खतरा नहीं पनपे, इसके लिए ज़रूरी है जनतांत्रिक मूल्यों को मज़बूत बनाया जाये। किसी व्यक्ति या परिवार पर राजनीतिक दल की निर्भरता का मतलब जनतांत्रिक मूल्यों में अविश्वास है। यह बात कांग्रेस समेत देश के हर राजनीतिक दल को समझनी है। जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों में विश्वास का तकाज़ा है कि जनतांत्रिक प्रक्रिया का ईमानदार स्वीकार हमारे राजनीतिक दलों के आचरण में स्पष्ट दिखाई दे। महत्वपूर्ण कोई व्यक्ति नहीं, पार्टी के सिद्धांत होते हैं। जब हम इस बात को समझ लेंगे तो व्यक्तियों पर निर्भरता से भी बच सकेंगे। यह कांग्रेस पार्टी ही नहीं, सभी राजनीतिक दलों का सच है। इस सच से साक्षात्कार ज़रूरी है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

## आज के ट्वीट

### मौन

**कश्मीर में हिन्दू व्यापारी सतपाल निश्छल जो पिछले 40 साल से रह रहे थे,370 हटने के बाद घर खरीदा तो आतंकी,जिहादियो ने उनका कत्ल कर दिया और चेतावनी दी हिन्दू सिर्फ किरायेदार हैं, मालिक बनने कि कोशिश की तो सबका यही हाल होगा,1990 - 2020 तक हिन्दुओं का नरसंहार हो रहा,कबतक मौन रहें?**

-- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

ज्ञान गंगा

## सेवा धर्म

श्रीराम शर्मा आचार्य

दान सेवा एक ऐसा कार्य है जो लगता तो सामान्य, छोटा और कुछ लोगों की दृष्टि से ओछा भी, पर वस्तुत- वह सही मायने में व्यक्तियों के व्यक्तित्व को सुगढ़ बनाने, परिमार्जित करने और तप तितिक्षा के लिए तैयार करने में आधार का काम करता है। सन्त विनोबा, गांधी जी, मदर टेरेसा आदि पुण्यात्माएं सेवा कार्य को आजीवन करती रहीं। वे समझते थे सेवा की महत्ता को। सेवा कार्य आत्मा की आवश्यकता का पोषण है। उसको निरंतर और निर्बाध गति से करते रहना इसलिए आवश्यक है कि हम जीवित रहें, हमारी आत्मा और उसकी सुरुचि जीवित रहें। किसी पर एहसान करने के लिए, दूसरों के सहायक और उपकारी बनने के लिए, अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिए भी नहीं, यश के लिए भी नहीं। सेवा का प्रयोजन आत्मा की गरिमा को अक्षुण्ण रखने और उसके जीवन साधन जुटाए रखने के लिए है। इसलिए इसे करते रहना चाहिए। ऐसा सोचना उचित नहीं कि मैंने इतना तो कर लिया, क्या अब सदा ही करता रहूंगा? जो सेवा की आवश्यकता और महत्ता को समझता है, उसे उससे कभी भी ऊब नहीं आती। जो ऊबता हो समझना चाहिए, अभी उसे सेवा का रस नहीं आया। जब एक बार उस परम धर्म का रसास्वादन कर लिया जाता है तो उसे छोड़ सकना संभव नहीं होता। फूलों में कैसा रस है, इसे मधुमक्खी जानती है और वह जन्म से लेकर मरण पर्यत अनवरत रूप से उसी मधुरिमा में निमग्न रहती है। न थकती है, न ऊबती है, और कभी यह नहीं सोचती कि इतना लम्बा समय मधु संचय के प्रयोजन में लग गया, अब कोई धंधा ढूंढ़ेंगे, विश्राम करेंगे। वह ऐसा इसलिए नहीं सोच सकती कि उसकी अंतरात्मा उस क्रियाकलाप की गरिमा को समझी ही नहीं, स्वीकार भी कर चुकी है। भ्रमर का आशय और कहां है? पराग से विमुख होकर वह और क्या खोजे? तितली को अपने सौन्दर्य के समतुल्य पुष्प के अतिरिक्त और कुछ दीखता ही नहीं। आखिर, वह जाए भी कहां? बैठे भी कहां? करे भी तो क्या? जिनका दृष्टिकोण उत्कृष्टता का अभ्यस्त हो गया, उन्हें निकृष्टता की दुर्गन्ध में श्वास ले सकना संभव भी नहीं है। सेवा धर्म छोड़कर अन्यत्र आत्मा की गरिमा के अतिरिक्त और कोई कार्य है भी तो नहीं।

# आज का राशिफल

**मेष** पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

**वृषभ** व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

**मिथुन** दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

**कर्क** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**सिंह** जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

**कन्या** सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

**तुला** पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**वृश्चिक** शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**धनु** आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

**मकर** जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**कुम्भ** दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

**मीन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

# कहीं फुस्स न हो जाएं हमारे संकल्प

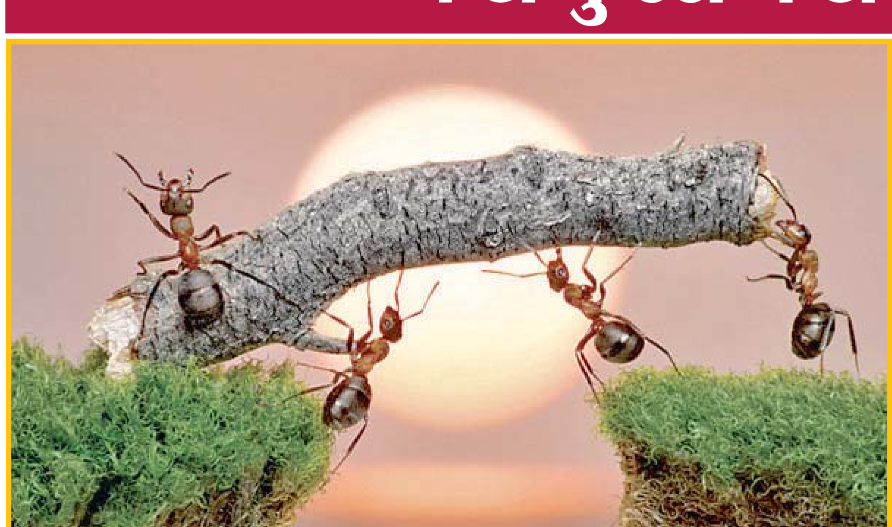

– डॉ. दीपक आचार्य

नया, अच्छा और उल्लेखनीय करना हर मनुष्य का स्वभाव रहा है। वर्ष भर में जब भी कोई अवसर सामने आते हैं उनसे प्रेरणा पाकर वह नए-नए संकल्पों को लेकर चलने का मन बनाता है। बात चाहे किसी पाश्चात्य नए वर्ष की हो या फिर भारतीय संस्कृति से अनुप्राणित परम्परागत नव वर्ष की या और किसी परिवेशीय अथवा पारंपरिक पर्व-त्योहार एवं उत्सव की। हर नया अवसर हमें आन्दोलित करता है कुछ नया और बढ़िया करने के लिए। प्रत्येक मनुष्य ताजिन्दगी आशावादी बना रहता है इसलिए उसे अवसरों की तलाश हमेशा बनी रही है और रहेगी। कोई सा क्षेत्र, वर्ग या समुदाय हो, सभी से जुड़ा हर इंसान इन अवसरों पर उत्प्रेरित होता ही होता है। निराशावादी और डिप्रेशन को ही जिन्दगी का अहम् हिस्सा मान चुके पुरुषार्थहीन और दूसरों के भरोसे जीने, पाने और पनपने की मनोवृत्ति पाल चुके लोगों की बात अलग है। इन लोगों के लिए जीवन बोझ की तरह लगता है और पूरी जिन्दगी पशुओं या भिखारियों की तरह गुजारने का मन बनाए रहते हैं इसलिए इनकी जिन्दगी में आशा की कोई किरण कहीं से नज़र आने का कोई सुराख या रास्ता ये बचा कर नहीं रहते। ऐसे लोग अंधेरे कोने की मकड़ियों या रात के अंधेरे में चोरी-डकैती के लिए निकलने वाले निशाचरों की तरह जीवन जीने के आदी हो जाते हैं इसलिए इन्हें इस बात से कोई फरक नहीं पड़ता कि परिवेश और क्षेत्र में क्या कोई नया पर्व, त्योहार, उत्सव या नव वर्ष आ रहा है। नव वर्ष या दूसरे किसी भी अवसर को भुनाने वाले दो तरह के लोग होते हैं। एक वे हैं जो इंसान की तरह जिन्दगी जीना चाहते हैं और इंसानों से लेकर अपने क्षेत्र और क्षेत्रवासियों, देशवासियों के लिए सेवा करते हुए परमार्थ में रमे रहना चाहते हैं। ऐसे लोग नवीन अवसरों से प्रेरित होकर श्रेष्ठ कर्मों के लिए निरन्तर प्रयासरत रहते हैं और अपने इंसान होने पर गर्व की अनुभूति करते हैं। ऐसे लोग नवीन अवसरों को अपने दुर्गुणों, व्यवसनों और कमियों को तिलांजलि देने के लिए करते हैं। इसके लिए ये दृढ़तापूर्वक संकल्प लेते हैं। दूसरी ओर वे लोग हैं जिनके लिए अवसर दैहिक मौज-मस्ती तक की सिमटे रहते हैं। इन लोगों को अच्छे कामों, अच्छाइयों और सेवा-परोपकार से कोई सरोकार नहीं होता बल्कि इनका एक सूत्री एजेण्डा यही होता है कि अवसरों को अपने हक में भुनाने के लिए इतने अधिक सक्रिय और डूबे रहें कि अपनी पशुवत, निकम्मी और आलसी देह को हरसंभव क्षणिक आनंद का अहसास होता रहे। इनमें से अधिकतर लोग अपनी दुष्प्रवृत्तियों को सामाजिकता का जामा पहनाने के लिए कोई न कोई साथी या समूह तलाशते हैं और फिर मौज-शौक में रम जाते हैं। इनमें से अधिकांश लोग वे होते हैं जो शराबी, माँसाहारी, नशेड़ी, भंगेड़ी-गंजेड़ी, गर्म गोश्त के रसिया व और निकम्मे होते हैं जिन्हें घर-परिवार, समाज और क्षेत्र वाले भी कोई महत्त्व नहीं देते और मानते हैं कि इंसान के रूप में इन्हें जनम देकर भगवान ने कहीं न कहीं कोई गलती कर दी है या इन्हें पशु होना चाहिए था। इन लोगों में से अभिजात्य वर्गों के कुछ फीसदी को छोड़ दें तो इन्हें सुरा-सुन्दरी की भी जरूरत नहीं, न कोई विशेष चाहत। जो मिल जाए, वो चल जाता है। और इनमें भी 90 फीसदी वे लोग होते हैं जो हर चीज मुफ्त की तलाशते हैं। खान-पान, दारू, गर्म गोश्त से लेकर आवास-भ्रमण सुविधाएं और सब कुछ फ्री में चाहिए। ये मुफ्तखोर लोग किसी न किसी प्रभाव और दबाव या कि याचना से भी वह सब कुछ पा लेने की कला में माहिर होते हैं जो इनकी पशुवत और आसुरी देह को आनंद देने के लिए जरूरी हो, भले ही वे सारे आनन्द क्षणिक ही क्यों न हों। इस मामले में इन लोगों के स्वभाव, व्यवहार और जीवनचर्या की तुलना आवारा कुत्तों और सूअरों से करना भी बेमानी है। इनके संकल्प मुफ्त में मौज उड़ाने से ज्यादा नहीं हुआ करते। ये लोग चाहे कितने ही संकल्प ले लें मगर संकल्प कभी पूरे नहीं होते। जिन्दगी पूरी होने तक इनमें पशुता और हरामखोरी का ग्राफ उत्तरोत्तर बढ़ता ही चला जाता है। इस अवस्था में इनके परिवारजन और क्षेत्रवासी तथा संगी-साथी और सहकर्मी भी मानने लगते हैं कि धरती पर इन्हीं को बोझ ज्यादा है। आगामी दिनों और वर्षों में श्रेष्ठ कर्मों का संकल्प लेने वाले खूब सारे लोग होते हैं जो चाहते हैं कि उनकी जिन्दगी में सकारात्मक बदलाव आए और ओज-तेज के साथ पद, प्रतिष्ठा और प्रभाव बढ़ता रहे। इस दृष्टि से भारतीय और पाश्चात्य दोनों ही वर्ष के आरंभ में अच्छे कर्म व व्यवहार का संकल्प हम लेते हैं। मानस पटल पर खाका भी तैयार करते हैं और पूरे उमंग-उत्साह से प्रयास भी आरंभ कर देते हैं। लेकिन अक्सर देखा गया है कि ये संकल्प दो-चार दिन या दस-बारह दिन तक ही अड़िग और प्रभावी रह पाते हैं। इसके बाद आलस्य और प्रमाद हमें घेर लेता है। संकल्प लेने से अधिक जरूरी है संकल्प पर दृढ़ रहना। लेकिन आज का मनुष्य इसी मामले में कमजोर है। नए साल में जीवन को रोशनी से भर देने की बात और वादे सब करते हैं लेकिन कुछ तक ही यह स्थिति बरकरार रह पाती है।

चार दिन की चाँदनी - फिर अँधेरी रात। संकल्प लेना आसान है लेकिन संकल्प पर दृढ़ रहकर उसे पूर्णता प्रदान करना सबसे कठिन है। यही स्थिति नव वर्ष को लेकर है। लोग हर बार नए साल पर बड़े-बड़े संकल्प तो ले लेते हैं लेकिन कुछ ही दिन में संकल्प कमजोर पड़कर अन्ततः परास्त हो जाते हैं। कहीं ऐसा न हो कि हमने कोई संकल्प लिया हो और वह कुछ दिन में फुस्स हो जाए।

## चीन को उम्मीद, ट्रंप के 'शीत युद्ध' को समाप्त करेंगे बाइडन

**बीजिंग.** अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन इस महीने सत्ता संभालने जा रहे हैं। ऐसे में चीन को उम्मीद है कि वह (बाइडन) अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुरू किये गये शीत युद्ध को समाप्त करेंगे और सामान्य संबंधों को बहाल करने के लिये संवेदनशील रवैया अपनायेंगे। ट्रंप सरकार ने व्यापार से लेकर तिब्बत और ताइवान मामलों तथा चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की कड़ी आलोचनाओं तक हर मोर्चे पर चीन के खिलाफ व्यापक मोर्चा खोला। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ को दिये एक साक्षात्कार में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने उम्मीद व्यक्त की है कि बाइडन सरकार इस रुख में बदलाव लायेगी। उन्होंने कहा, चीन को उम्मीद है कि अमेरिका की अगली सरकार चीन के साथ बातचीत शुरू करेगी, संवेदनशील रवैया अपनायेगी, द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनायेगी और सहयोग प्रारंभ करेगी। वांग ने कहा, ''चीन और अमेरिका के संबंध अब नये मोड़ पर आ गये हैं और अब उम्मीद की नयी किरण दिख रही है।'' बाइडन ने पिछले साल आठ नवंबर को हुए चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मात दी है। अब बाइडन 20 जनवरी को शपथ लेने वाले हैं, जिसके साथ ही ट्रंप सरकार का औपचारिक अंत हो जायेगा। वांग ने कहा कि हालिया वर्षों में अमेरिका-चीन संबंध बेहद निचले स्तर पर आ गये। उन्होंने कहा कि अब इसमें सुधार की उम्मीद है।

## नववर्ष की पूर्व संध्या पर व्हाट्सअप यूजर्स ने किए 1.4 अरब कॉल्स

**सैन फ्रांसिस्को।** दुनिया भर के व्हाट्सअप यूजर्स ने नव वर्ष की पूर्व संध्या पर 1.4 अरब से अधिक व्आइस और वीडिओ कॉल्स किए। व्हाट्सअप का मालिकाना हक रखने वाले फेसबुक ने कहा कि प्लेटफार्म के अब तक इतिहास में एक दिन में यह सबसे अधिक कॉल्स की संख्या है। फेसबुक के मुताबिक कोरोना काल में बीते साल की तुलना में इस साल व्हाट्सअप कॉलिंग 50 फीसदी अधिक रही। कम्पनी ने यह भी कहा है कि फेसबुक और इंस्टाग्राम पर वैश्विक स्तर पर 5.5 करोड़ से अधिक लाइव ब्रॉडकास्ट हुए, जो इन प्लेटफॉर्म्स के इतिहास में एक रिकार्ड है।

## नोकिया 7.3 जल्द लॉन्च होगा

**नई दिल्ली।** एचएमडी ग्लोबल जल्द ही 5050एमएएच बैटरी वाले नोकिया 7.3 स्मार्टफोन के लॉन्च की तैयारी कर रहा है। नोकिया ने दो मॉडल्स के सर्टिफिकेशन के लिए आवेदन दिया है, जिसमें 7.3 के अलावा 44790एमएएच बैटरी क्षमता वाला फोन 6.3 शामिल है। यह फोन बीते साल के अंत तक लॉन्च किया जाना था लेकिन अभी इस बारे में कोई घोषणा नहीं हुई है। नोकिया 7.3 एख 5जी स्मार्टफोन होगा और इसमें 90 या फिर 129हट्ज डिस्प्ले हो सकता है। साथ ही इसमें 24एमपी का सेल्फी कैमरा हो सकता है। इन सबके अलावा नोकिया 9.3 प्योरव्यू फोन भी लॉन्च करने की तैयारी में है, जो कम्पनी का फ्लैगशिप डिवाइस होगाष इसमें 108एमपी का कैमरा हो सकता है।

# सेबी ने कारोबार में गड़बड़ी को लेकर रिलायंस, मुकेश अंबानी पर लगाया जुर्माना

**मुंबई।**

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और इसके अध्यक्ष मुकेश अंबानी पर कारोबार में कथित गड़बड़ी करने के लिए क्रमशः 25 करोड़ और 15 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी ने यह जुर्माना नवंबर 2007 में रिलायंस पेट्रोलियम के शेयरों की कैश व फ्यूचर सेगमेंट में खरीद और बिक्री से जुड़े मामले में हुई अनियमितता के लिए लगाया है। 2007 में रिलायंस पेट्रोलियम (आरपीएल) के शेयरों की खरीद-फरोख्त में कथित हेराफेरी के लिए जुर्माने को लेकर आदेश जारी किया गया है। यह भी देखा गया कि मुकेश अंबानी आरआईएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक होने के नाते, अपने दिन-प्रतिदिन के मामलों के लिए जिम्मेदार हैं और इस तरह, आरआईएल द्वारा किए गए जोड़ तोड़ व्यापार के लिए भी वह उत्तरदायी हैं। सेबी ने अपने आदेश में कहा है, यह पाया गया है कि आरआईएल ने अपने एजेंट के साथ मिलकर सोच-समझकर योजना बनाई थी। इसका मकसद कैश और फ्यूचर सेगमेंट में आरपीएल के शेयरों की बिक्री से मुनाफा कमाना था। इसके लिए सेटलमेंट वाले दिन आखिरी 10 मिनट के कारोबार में बड़ी संख्या में कैश सेगमेंट में आरपीएल के शेयर बेचे गए। इससे आरपीएल के शेयर का सेटलमेंट प्राइस गिर गया। हेराफेरी की यह योजना सिक्योरिटीज मार्केट के हित के खिलाफ थी। इतना ही नहीं, पूंजी बाजार नियामक ने सेबी ने नवी मुंबई सेज प्राइवेट लिमिटेड से 20 करोड़ रुपये और मुंबई सेज लिमिटेड को 10 करोड़ रुपये का जुर्माना देने को भी कहा है। सेबी ने मामले की तह तक जाने के लिए 2007 में एक नवंबर से 29 नवंबर के दौरान आरपीएल के शेयरों में हुई खरीद-फरीख्त की जांच की। यह पाया गया कि आरआईएल के बोर्ड ने 29 मार्च 2007 को एक प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसके तहत वित्तवर्ष 2008 के लिए ऑपरेटिंग प्लान और अगले दो साल के लिए करीब 87,000 करोड़ रुपये के फंड की जरूरत को मंजूरी दी गई थी।

## गार्जियंस रियल एस्टेट एडवाइजरी का राजस्व अप्रैल-दिसंबर में दोगुना से होकर 65 करोड़ रुपये पर

**नई दिल्लीः** संपत्ति की खरीद-बिक्री से संबंधित सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी गार्जियंस रियल एस्टेट एडवाइजरी ने शनिवार को कहा कि इस वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर की अवधि में उसका राजस्व दोगुना से अधिक होकर 65.35 करोड़ रुपए हो गया है। कंपनी ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा मुंबई बाजार में स्टाम्प शुल्क की दरें कम करने से उसे फायदा हुआ है।कंपनी को एक साल पहले की समान अवधि में 26.57 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था। मुंबई स्थित कंपनी को 2020-21 में राजस्व लगभग 115 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। पिछले वित्त वर्ष में यह 40 करोड़ रुपए था। गार्जियंस रियल एस्टेट ने बयान में कहा कि उसने चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों के दौरान सालाना आधार पर 146 प्रतिशत की उच्चतम सालाना वृद्धि दर्ज की है। इस दौरान कंपनी का राजस्व 65.35 करोड़ रुपए रहा है। कंपनी ने 2020-21 के पहले नौ महीनों के दौरान 3,687 करोड़ रुपए के मूल्य के 2,113 घरों और 117 कार्यालयों की बिक्री की।

## तय शर्तों, प्रक्रियाओं की पूर्ति के बाद ही मिलेगा निर्यात शुल्क वापसी योजना का लाभ

**नई दिल्लीः** निर्यातकों के लिए कर वापसी योजना आरओडीटीईपी के तहत लाभ तभी उपलब्ध होंगे, जब तय शर्तों, पाबंदियों और जरूरी प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति होगी। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह कहा गया। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने निर्यात उत्पाद पर शुल्क व कर से छूट (आरओडीटीईपी) योजना के लाभ को विस्तार देने का फैसला किया है, जो शुक्रवार से प्रभावी है। वित्त मंत्रालय ने यह भी कहा कि आरओडीटीईपी का लाभ एक जनवरी से उपलब्ध होगा, भले ही दरें और अन्य विवरण अगले कुछ दिनों के भीतर निर्धारित किए जाएं। मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ''आरओडीटीईपी का लाभ शर्तों के पालन, पाबंदियों, अपात्रता, प्रक्रियात्मक आवश्यक्ताओं की पूर्ति के बाद ही मिलेगा। सरकार ने मार्च में निर्यातकों के लिए करों और शुल्कों की वापसी के लिए योजना को मंजूरी दी थी। देश से निर्यात कारोबार को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाया गया था। योजना के तहत निर्यातकों को उनके उत्पाद पर लगने वाले केन्द्रीय, राज्य और स्थानीय शुल्कों की वापसी की जाएगी। अब तक इनकी वापसी नहीं होती थी जिससे भारतीय निर्यात प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाता रहा है। निर्यातकों को शुल्कों और करों की वापसी के लिए अधिकतम दर तय करने के वास्ते एक तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया। चालू वित्त वर्ष के दौरान अप्रैल से नवंबर की अवधि में देश का निर्यात कारोबार एक साल पहले की इसी अवधि में हुए निर्यात के मुकाबले 17.76 प्रतिशत घटकर 173.66 अरब डॉलर रहा है।

# रबी खाद्यान्न उत्पादन पिछले रिकॉर्ड को लांघ सकता है: कृषि मंत्री तोमर

**बिजनेस डेस्कः**

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के अनुसार, देश में गेहूं सहित रबी खाद्यान्न उत्पादन चालू फसल वर्ष 2020-21 में पिछले वर्ष के रिकॉर्ड 15 करोड़ 32.7 लाख टन के उत्पादन से भी बेहतर रहने की उम्मीद है। रबी (सर्दियों) की फसलों की बुवाई चल रही है। खरीफ (ग्रीष्म) की फसलों की कटाई के तुरंत बाद रबी की बुआई अक्टूबर से शुरू होती है। गेहूं और सरसों प्रमुख रबी फसलें हैं। फसल वर्ष जुलाई से अगले वर्ष जून तक का होता है। तोमर ने बताया कि देश के कृषि क्षेत्र ने वर्ष 2020 के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया क्योंकि खरीफ सत्र में खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई। किसानों ने कोविड-19 महामारी के बावजूद कड़ी मेहनत की और अपनी अहमियत साबित की। उन्होंने कहा, ''इस साल हमें पिछले साल के रबी सत्र की तुलना में बेहतर खाद्यान्न उत्पादन होने की उम्मीद है। फसल वर्ष 2020-21 के लिए केंद्र ने 30.1 करोड़ टन रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जिसमें से रबी सत्र से 15 करोड़ 16.5 लाख टन का योगदान होने की उम्मीद है। इसके अलावा, मंत्री ने कहा कि विपणन पर दो नए कृषि कानूनों, 10 हजार किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के गठन, एक लाख करोड़ रुपए के कृषि आधारभूत ढांचा कोष सहित हाल की सरकार की पहल की दिशा में की जाने वाली प्रगति भी किसानों को लाभान्वित करेगी और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि किसानों की कड़ी मेहनत और मोदी सरकार की किसान समर्थक नीतियों से कृषि क्षेत्र मजबूत होगा। नए सुधारों से भी इस क्षेत्र को फायदा होगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चालू रबी सत्र में अब तक गेहूं की बुवाई का रकबा चार प्रतिशत बढ़कर 325.35 लाख हेक्टेयर हो गया है, जबकि बेहतर मानसून की बारिश की वजह से दलहनों की खेती का रकबा पांच प्रतिशत बढ़कर 154.80 लाख हेक्टेयर हो गया है। चालू रबी सत्र में अभी तक धान खेती का रकबा मामूली गिरावट के साथ 14.83 लाख हेक्टेयर रह गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 15.47 लाख हेक्टेयर था। मोटे अनाजों का रकबा इस रबी सत्र में घटकर अब तक 45.12 लाख हेक्टेयर ही है, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह रकबा 49.90 लाख हेक्टेयर था। हालांकि, तिलहन के लिए बुवाई क्षेत्र एक साल पहले 75.93 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 80.61 लाख हेक्टेयर हो गया है। विभिन्न रबी फसलों के तहत कुल बुवाई का रकबा पहले के 603.15 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 620.71 लाख हेक्टेयर हो गया है। सरकार के चौथे अग्रिम अनुमान के अनुसार, फसल वर्ष 2019-20 में देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 29 करोड़ 66.5 लाख टन का हुआ है।

# टावर मामलाः एयरटेल ने डीओटी को पत्र लिखकर जियो के आरोपों को आधारहीन, बेतुका बताया

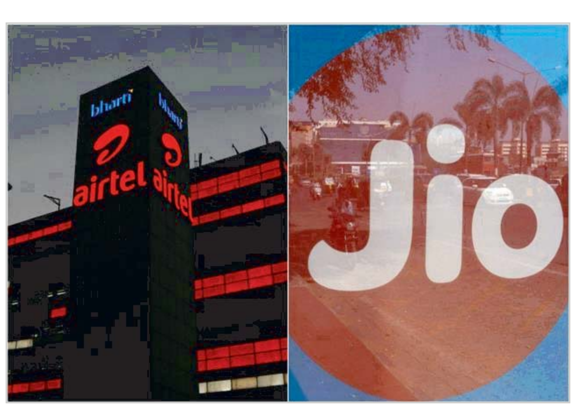


**बिजनेस डेस्कः**

दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी भारती एयरटेल ने टावरों को हाल ही में पहुंचाए गए नुकसान के मामले में दूरसंचार विभाग को पत्र लिखकर प्रतिस्पर्धी कंपनी रिलायंस जियो के आरोपों को बेबुनियाद व बेतुका करार दिया है। जियो ने आरोप लगाया था कि उसकी प्रतिस्पर्धी कंपनियां प्रदर्शनकारियों को उसके टावरों को नुकसान पहुंचाने के लिये उकसा रही हैं। एयरटेल ने दूरसंचार विभाग (डीओटी) को बताया कि जियो ने अपने आरोपों के साथ कोई सबूत नहीं दिया है। कंपनी ने कहा कि जियो इस बात का कोई सबूत नहीं दे पाई है कि उसके टावरों को किए गए नुकसान में भारती की कोई भूमिका है। अतः अवमानना के साथ जियो के आरोपों को खारिज किया जाना चाहिए। एयरटेल द्वारा दूरसंचार सचिव अंशु प्रकाश को लिखे पत्र में कहा गया है कि कंपनी पंजाब और हरियाणा में किसान विरोध के कारण रिलायंस जियो की सेवाओं को बाधित करने के संदर्भ में उसके (जियो) द्वारा 28 दिसंबर को विभाग को की गई एक शिकायत से अवगत है। एयरटेल ने कहा कि इसी तरह का आरोप जियो ने दिसंबर में पहले दूरसंचार नियामक को लिखे एक पत्र में लगाया था, जिसका कंपनी ने जवाब दिया था। भारती एयरटेल के मुख्य नियामकीय अधिकारी (सीआरओ) राहुल वत्स ने डीओटी को 28 दिसंबर को लिखे पत्र में कहा, ''जियो का यह आरोप कि टावरों के साथ तोड़फोड़ कर ग्राहकों को एयरटेल में स्विच करने पर मजबूर करने के लिए एयरटेल किसान आंदोलन के पीछे खड़ी है, अपने आप में बेतुका है। एयरटेल ने कहा, जियो की शिकायत का कोई सबूत नहीं है कि उसके समक्ष खड़ी हो रही दिक्कतों में एयरटेल का कोई हाथ है। एयरटेल ने कहा, ''वास्तव में, हम इस बात से चकित हैं। जियो ऐसा सोच भी कैसे सकती है कि उसके ग्राहकों को अपने साथ जोड़ने के लिए एयरटेल के पास इतनी शक्ति है। यदि हमारे पास यह शक्ति थी, तो हमने पिछले तीन वर्षों में इसका प्रयोग किया होता, जब जियो के पास हमारे लाखों ग्राहक जा रहे थे। इस बारे में जब रिलायंस जियो से ईमेल के जरिए संपर्क किया तो कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ।

## आईयूसी के लिए ग्राहकों से अलग से कभी नहीं लिया शुल्क, बिना बदलाव के मिलता रहेगा लाभः एयरटेल

**नई दिल्लीः** दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी भारती एयरटेल ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपने ग्राहकों से आईयूसी के लिए अलग से कोई शुल्क नहीं लिया है। कंपनी ने कहा कि वह बिना किसी बदलाव के ग्राहकों के लिये असीमित कॉलिंग का लाभ जारी रखेगी। एयरटेल ने यह टिप्पणी रिलायंस जियो की उस घोषणा के एक दिन बाद की, जिसमें जियो ने कहा कि भारत में अन्य नेटवर्क पर उसके उपयोक्ताओं द्वारा कॉल शुक्रवार से मुफ्त हो जाएंगे, क्योंकि इंटरकनेक्ट यूसेज चार्जेज (आईयूसी) की व्यवस्था समाप्त हो रही है। भारती एयरटेल के मुख्य परिचालन अधिकारी अजय पुरी ने कहा, ''हम एयरटेल में अपने ग्राहकों को सबसे अच्छा अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एयरटेल के मोबाइल ग्राहक पहले से ही हमारे प्रीपेड बंडलों और पोस्टपेड योजनाओं के साथ सभी नेटवर्क पर असीमित मुफ्त कॉल का आनंद ले रहे हैं। हम उन्हें हाई स्पीड डेटा की भी पेश कर रहे हैं।÷ पुरी ने कहा कि एयरटेल ने अपने ग्राहकों से आईयूसी के लिए अलग से कभी कोई शुल्क नहीं लिया है और बिना किसी बदलाव के ग्राहकों के लिए असीमित कॉलिंग का लाभ जारी रहेगा।

# वर्क फ्रॉम होम के लिए सरकार ने जारी किया ड्राफ्ट, अप्रैल में लागू हो सकते हैं नए नियम

**बिजनेस डेस्कः**

कोरोना वायरस महामारी के कारण ऑफिस के वर्क कल्चर में काफी बदलाव देखने को मिला है। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए कार्यस्थलों पर वर्क फ्रॉम होम की सुविधा भी दी जा रही है। इसके तहत कर्मचारी अपना ऑफिस का काम घर से ही कर सकते हैं। वहीं अब सरकार ऐसे नियम लाने पर विचार कर रही है, जिसके तहत कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम के विकल्प को चुनने का मौका मिल सकेगा। श्रम मंत्रालय ने इसके लिए शुक्रवार को एक ड्राफ्ट जारी किया है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार नए कानून के ड्राफ्ट में माइनिंग, मैनुफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर के कर्मचारियों को शामिल किया जाएगा।

**IT सेक्टर को मिलेगी सहूलियत**

श्रम मंत्रालय के वर्क फ्रॉम होम ड्राफ्ट के अनुसार आईटी सेक्टर को कई सहूलिय मिल सकती है। इस ड्राफ्ट में आईटी कर्मचारियों को वर्किंग ऑवर की भी छूट मिल सकती है। श्रम मंत्रालय के अनुसार आईटी सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए भी ड्राफ्ट में प्रावधान रखा गया है। श्रम मंत्रालय के अनुसार सर्विस सेक्टर की जरूरत के हिसाब से पहली बार अलग मॉडल तैयार किया गया है।

**ड्राफ्ट में कई अन्य सहूलियत**

नए ड्राफ्ट में सभी श्रमिकों के लिए रेल यात्रा की सुविधा का भी प्रावधान रखा गया है। इससे पहले ये सुविधा केवल खनन क्षेत्र के श्रमिकों के लिए ही थी। वहीं नए ड्राफ्ट में अनुशासन तोड़ने पर सजा का प्रावधान भी रखा गया है। श्रम मंत्रालय ने **new Industrial Relations Code** पर आम लोगों से सुझाव मांगे हैं। यदि आप अपने सुझाव भेजना चाहते हैं तो 30 दिनों के भीतर श्रम मंत्रालय के पास भेज सकते हैं। वहीं उम्मीद की जा रही है कि श्रम मंत्रालय इस कानून को अप्रैल में लागू कर सकती है।

## सूचीबद्ध कंपनियों में सबसे बड़े प्रवर्तक के तौर पर उभरी टाटा संस

**मुंबई।**

ऐसे समय में जब भारतीय इक्विटी बाजार अपने उच्च स्तर पर पहुंचा है, टाटा संस भारत में सूचीबद्ध (लिस्टेड) कंपनियों के सबसे बड़े प्रवर्तक के रूप में उभरकर सामने आई है। कंपनी 2020 के अंत तक सूचीबद्ध कंपनियों के प्रमोटर के मामले में केंद्र से भी आगे निकल गई है। बता दें कि पिछले 20 वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल के दिनों में सरकारी कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई है और इससे उनका मार्केट कैपिटलाइजेशन कम हुआ है, वहीं वहीं, टाटा सन्स देश की लिस्टेड कंपनियों के सबसे बड़े प्रमोटर के तौर पर उभरा है। लिस्टेड कंपनियों में टाटा संस की हिस्सेदारी की वैल्यू पिछले एक साल में 34 प्रतिशत बढ़ी है, जो कि अब 9.28 लाख करोड़ रुपये हो गई है, वहीं सरकार की हिस्सेदारी की वैल्यू 9.24 लाख करोड़ रुपये है। पिछले एक साल में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों यानी पीएसयू में सेंटर्स की हिस्सेदारी करीब 20 प्रतिशत घट गई है। 2020 के अंत में टाटा समूह की कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन 15.6 लाख करोड़ रुपये था, जबकि 2019 में यह 11.6 लाख करोड़ रुपये था। वहीं दूसरी ओर, 2020 के अंत तक सूचीबद्ध सरकारी कंपनियों का रुख ठंडा पड़ता दिखाई दिया। इनका 2020 में कुल बाजार मूल्यांकन 15.3 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 18.6 लाख करोड़ रुपये था। वर्ष 2020 में टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की शेयर कीमत 85 प्रतिशत बढ़ी।

## 1 फरवरी से दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरना होगा महंगा, यात्रियों को देना होगा नया चार्ज

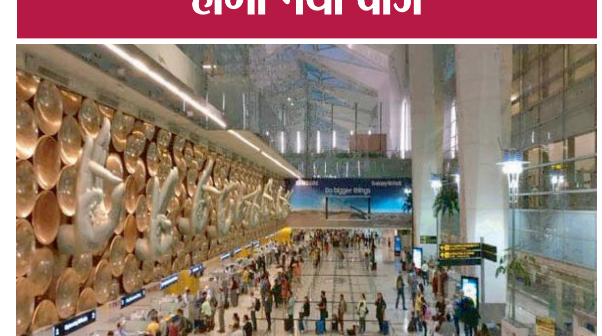

**बिजनेस डेस्कः**

कोरोना वायरस महामारी से विमानन सेक्टर बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अब महीने से दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरना महंगा होने वाला है। एरपोर्ट इकनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी **(AERA)** ने दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड **(DIAL)** को 1 फरवरी से अतिरिक्त चार्ज लगाने को मंजूरी दे दी है। 1 फरवरी से लेकर 31 मार्च तक दिल्ली से बाहर उड़ान भरने वालों को इस नई व्यवस्था के तहत 65.98 रुपए के साथ तमाम टैक्स चुकाने होंगे। अप्रैल 2021 से इस चार्ज में कटौती होगी, जिसके बाद वित्त वर्ष 2021-22 के लिए ये चार्ज 53 रुपए, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 52.56 रुपए और वित्त वर्ष 2023-24 के लिए ये चार्ज 51.97 रुपए होगा। सूत्रों की मानें तो एयरपोर्ट अथॉरिटी ने अभी दिल्ली एयरपोर्ट की उस मांग को नहीं माना है, जिसमें कहा गया था दिल्ली से बाहर जाने वाली घरेलू उड़ान के लिए 200 रुपए और विदेशी उड़ान पर 300 रुपए का चार्ज लगाया जाना चाहिए।

**3538 करोड़ रुपए के घाटे का अनुमान**

दिल्ली एयरपोर्ट चाहता है कि इस चार्ज को 2024 तक के लिए लागू किया जाए लेकिन अभी एयरपोर्ट अथॉरिटी ने कहा है इसके बारे में मार्च 2022 के बाद बात करें। दिल्ली एयरपोर्ट का अनुमान है कि अप्रैल 2020 से लेकर मार्च 2024 तक उसकी कमाई में करीब 3538 करोड़ रुपए का नुकसान होगा।

उसका कहना है कि अप्रैल 2024 तक ऑपरेशन सुचारु रूप से चलाने के लिए वित्तीय मदद की जरूरत होगी।

## देश का निर्यात दिसंबर में 0.8 % घटा, व्यापार घाटा बढ़कर 15.71 अरब डॉलर पर

**नई दिल्लीः**

देश का निर्यात दिसंबर, 2020 में 0.8 प्रतिशत घटकर 26.89 अरब डॉलर रह गया। यह लगातार तीसरा महीना है जबकि निर्यात में गिरावट आई है। पेट्रोलियम, चमड़ा और समुद्री उत्पाद क्षेत्र के कमजोर प्रदर्शन से निर्यात का आंकड़ा नीचे आया है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी शुरुआती आंकड़ों के अनुसार दिसंबर में आयात 7.6 प्रतिशत बढ़कर 42.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे व्यापार घाटा बढ़कर 15.71 अरब डॉलर पर हो गया। दिसंबर, 2019 में देश का निर्यात 27.11 अरब डॉलर और आयात 39.5 अरब डॉलर रहा था। नवंबर, 2020 में निर्यात में 8.74 प्रतिशत की गिरावट आई थी। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर की अवधि में देश का वस्तुओं का निर्यात 15.8 प्रतिशत घटकर 200.55 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में निर्यात का आंकड़ा 238.27 अरब डॉलर रहा था। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में आयात 29.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 258.29 अरब डॉलर पर आ गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में आयात 364.18 अरब डॉलर रहा था। मंत्रालय ने बयान में कहा, ''दिसंबर, 2020 में भारत शुद्ध आयातक रहा। इस दौरान व्यापार घाटा 15.71 अरब डॉलर रहा। दिसंबर, 2019 में व्यापार घाटा 12.49 अरब डॉलर रहा था। इस तरह व्यापार घाटा 25.78 प्रतिशत बढ़ा है। दिसंबर, 2020 में कच्चे तेल का आयात 10.37 प्रतिशत घटकर 9.61 अरब डॉलर रह गया। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह अप्रैल-दिसंबर में तेल आयात 44.46 प्रतिशत घटकर 53.71 अरब डॉलर रहा है। समीक्षाधीन महीने में खली का निर्यात 192.60 प्रतिशत, लौह अयस्क का 69.26 प्रतिशत, कालीन का 21.12 प्रतिशत, फार्मास्युटिकल्स का 17.44 प्रतिशत, मसालों का 17.06 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान का 16.44 प्रतिशत, फलों और सब्जियों का 12.82 प्रतिशत और रसायन का 10.73 प्रतिशत बढ़ा है। इसके अलावा सूची धागे/कपड़े, हथकरघा उत्पादों का निर्यात 10.09 प्रतिशत बढ़ा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# रोहित शर्मा ने नेट सत्र में की बल्लेबाजी अभ्यास

**मेलबर्न। (एजेंसी)**

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सात जनवरी से सिडनी में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच से पहले अनुभवी भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने शुक्रवार को मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) के नेट पर अभ्यास किया। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) से रोहित के अभ्यास का वीडियो ट्विटर पर जारी करते हुए लिखा, '' इंतजार खत्म हुआ, हिटमैन (रोहित) का खेल शुरु होने वाला है।'' इस वीडियो में रोहित को थ्रो डाउन विशेषज्ञों और तेज गेंदबाजों के खिलाफ बल्लेबाजी अभ्यास करते हुए देखा जा सकता है। इसमें रोहित रक्षात्मक बल्लेबाजी करते हुए दिख रहे है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में 14 दिनों का पृथकवास पूरा करने के बाद रोहित बुधवार को टीम से जुड़े थे। उन्होंनेगुरूवार को यहां पहली बार अभ्यास सत्र में भाग लेते हुए क्षेत्ररक्षण अभ्यास किया था।

रोहित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान चोटिल हो गये थे। उनकी जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। इस कारण वह इस दौरे पर सीमित ओवरों की श्रृंखला और इस दौरे पर पहले दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाये थे। भारतीय कोच रवि शास्त्री ने दूसरे मैच के समाप्त होने के बाद कहा था कि रोहित को तीसरे टेस्ट मैच के लिये टीम में शामिल करने से पहले उनकी फिटनेस पर गौर किया जाएगा। बीसीसीआई ने 11 दिसंबर को घोषणा की थी कि इस सलामी बल्लेबाज ने बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में फिटनेस परीक्षण पास कर लिया है जिससे उनका चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलने का रास्ता साफ हुआ था।

## रोहित शर्मा समेत 5 भारतीय खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया में किया नियमों का उल्लंघन, बीसीसीआई ने दिया ये बयान

**मेलबर्न।** क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को मीडिया में आई इन खबरों को बकवास करार दिया कि यहां एक रेस्टोरेंट में बाहर जाकर खाना खाने के लिए वे कुछ भारतीय क्रिकेटरों द्वारा कोविड-19 नियमों के उल्लंघन की जांच कर रहे हैं। बीसीसीआई ने इसे आस्ट्रेलियाई मीडिया के एक समूह का दुर्भावनापूर्ण प्रयास करार दिया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मेहमान टीम कोविड-19 नियमों से अच्छी तरह वाकिफ है और उसने किसी नियम का उल्लंघन नहीं किया है। अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, ''नहीं, जैविक रूप से सुरक्षित नियमों का कोई उल्लंघन नहीं किया गया है। टीम से जुड़ा प्रत्येक व्यक्ति नियमों से अच्छी तरह वाकिफ है।'' इन सब चीजों की शुरुआत उस समय हुई जब नवलदीप सिंह नाम के एक प्रशंसक ने भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, नवदीप सैनी और शुभमन गिल की एक रेस्टोरेंट में खाना खाते हुए तस्वीर और वीडियो ट्वीट किया। रेस्टोरेंट में खिलाड़ियों के समीप बैठने का दावा करने वाले प्रशंसक ने बाद में भ्रम पैदा करने के लिए माफी मांगी। प्रशंसक ने दावा किया था कि खिलाड़ियों के खाने के बिल का भुगतान करने के बाद पंत ने उन्हें गले लगाया था। नियमों के अनुसार खिलाड़ियों को बाहर खाने की इजाजत है बशर्ते वे जरूरी एहतियात बरतें। उन्होंने कहा, ''हम इसे आस्ट्रेलियाई मीडिया के एक समूह का दुर्भावनापूर्ण कार्य ही कह सकते हैं और इसकी शुरुआत उनकी शर्मनाक हार के बाद हुई।'' भारत ने मेलबर्न में दूसरे टेस्ट में आस्ट्रेलिया को आठ विकेट से हराया जिससे एडीलेड में करारी हार के बाद भारत ने जोरदार वापसी की। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड ने रेस्टोरेंट में जाने को जैविक रूप से सुरक्षित माहौल से जुड़े नियमों का उल्लंघन करार दिया था लेकिन उनकी खबर में बीसीसीआई, क्रिकेट आस्ट्रेलिया या भारतीय टीम प्रबंधन से जुड़े किसी व्यक्ति का कोई बयान नहीं था। सिडनी में तीसरा टेस्ट सात जनवरी से शुरू होगा।

## मैनचेस्टर यूनाइटेड की जीत, एस्टन विला को 2-1 से हराया

**मैनचेस्टर। (एजेंसी)**

ब्रूनो फर्नांडिज के पेनल्टी पर दागे गोल की बदौलत मैनचेस्टर यूनाईटेड ने शुक्रवार को इंग्लिश प्रीमियर लीग में एस्टन विला को 2-1 से हराया। इस जीत से मैनचेस्टर यूनाईटेड के शीर्ष पर चल रहे लीवरपूल के समान 16 मैचों में 33 अंक हो गए हैं लेकिन खराब गोल अंतर के कारण टीम दूसरे स्थान पर है। यूनाईटेड की ओर से फर्नांडिज के अलावा एंथोनी मार्शल ने गोल दागा जबकि एस्टन विला की ओर से एकमात्र गोल बर्ट्रेंड ट्रेंओरे ने किया। फर्नांडिज का 11 महीने पहले टीम से जुड़ने के बाद पेनल्टी का यह नौवां गोल है।

## पाक पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आसिफ का आरोप, कहा- 17-18 साल का बताते हैं लेकिन 27-28 साल के होते हैं पाकिस्तानी पेसर

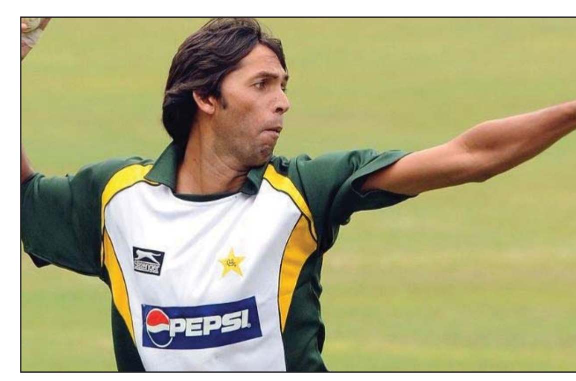

**कराची। (एजेंसी)।**

पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आसिफ ने पाकिस्तान के गेंदबाजों के लंबे स्पैल फेंकने में नाकाम रहने के बाद आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के मौजूदा गेंदबाज अपने जन्म प्रमाण पत्र की तारीख से नौ से 10 साल अधिक उम्र के हैं। इस हफ्ते माउंट मोनगानुई में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में पाकिस्तान की 101 रन से हार के बाद आसिफ ने यह बयान दिया है। आसिफ ने टीम के अपने साथी रहे कामरान अकमल के यूट्यूब चैनल पर बिना किसी का नाम लिए बगैर कहा, ''उनकी उम्र इतनी अधिक है। कागजों पर उम्र 17-18 साल लिखी है लेकिन असल में वे 27-28 साल के हैं।, उन्होंने कहा, ''उनके अंदर 20-25 ओवर फेंकने के लिए लचीलापन नहीं है। उन्हें नहीं पता कि शरीर को कैसे झुकाना है और कुछ समय के बाद शरीर जकड़ जाता है।

पांच से छह ओवर के स्पैल करने के बाद वे मैदान पर खड़े नहीं हो पाते।'' अपने समय के शीर्ष तेज गेंदबाजों में शामिल आसिफ का प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में करियर उस समय खत्म हो गया जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने 2010 में इंग्लैंड में स्पॉट फिक्सिंग प्रकरण में शामिल होने के लिए उन्हें पांच साल के लिए प्रतिबंधित किया। आसिफ राष्ट्रीय टीम के मौजूदा तेज गेंदबाजों ने निराश हैं जबकि एक समय टीम में वसीम अकरम, वकार यूनिस और इमरान खान जैसे दिग्गज होते थे। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि पांच से छह साल हो गए जब किसी तेज गेंदबाज (पाकिस्तान के) ने मैच में 10 विकेट लिए हों। न्यूजीलैंड के जैसी पिचें देखकर हमारे मुंह में लार आ जाती थी। तेज गेंदबाज के रूप में गेंद को छोड़ देने का कोई मतलब नहीं। मैं पांच विकेट चटकाने से पहले कभी गेंद नहीं छोड़ता था।'' न्यूजीलैंड दौरे पर गए पाकिस्तान के मौजूदा तेज गेंदबाजों में शाहीन अफरीदी और नसीम खान क्रमशः 20 और 17 साल के हैं। मोहम्मद अब्बास 30 जबकि फहीम अशरफ 26 साल के हैं। पाकिस्तान क्रिकेट वर्षों से आयु धोखाधड़ी से जूझ रहा है।

## मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी टूर्नामेंट के लिए टीम घोषित, प्रियम गर्ग की कप्तानी में खेलेंगे सुरेश रैना

**लखनऊ।** उत्तर क्रिकेट संघ (यूपीसीए) ने 10 जनवरी से बेंगलुरू में होने वाली सैयद मुश्ताक अली ट्राफी टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले दो मैचों के लिये उत्तर प्रदेश की टीम घोषित कर दी। टीम की कमान प्रियम गर्ग को सौंपी गई है जबकि सीनियर क्रिकेटर सुरेश रैना और भुवनेश्वर कुमार को भी टीम में शामिल किया गया है। यूपीसीए के सचिव युध्दवीर सिंह ने बताया कि तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार चोट से उबर चुके हैं और उन्हें टीम में शामिल किया गया है।

टीम इस प्रकार है: प्रियम गर्ग (कप्तान), करण शर्मा, सुरेश रैना, रिंकू सिंह, माधव कौशिक, समर्थ सिंह, शुभम चैबे, ध्रुव चंद जुरेल, आर्यन जुआल, भुवनेश्वर कुमार, अंकित राजपूत, मोहसिन खान, शिवम मावी, शिवा सिंह और शानू सैनी।

जफर लखनऊ, दो जनवरी उत्तर क्रिकेट संघ (यूपीसीए) ने 10 जनवरी से बेंगलुरू में होने वाली सैयद मुश्ताक अली ट्राफी टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले दो मैचों के लिये उत्तर प्रदेश की टीम घोषित कर दी। टीम की कमान प्रियम गर्ग को सौंपी गई है जबकि सीनियर क्रिकेटर सुरेश रैना और भुवनेश्वर कुमार को भी टीम में शामिल किया गया है। यूपीसीए के सचिव युध्दवीर सिंह ने 'भाषा' को बताया कि तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार चोट से उबर चुके हैं और उन्हें टीम में शामिल किया गया है।

टीम इस प्रकार है: प्रियम गर्ग (कप्तान), करण शर्मा, सुरेश रैना, रिंकू सिंह, माधव कौशिक, समर्थ सिंह, शुभम चैबे, ध्रुव चंद जुरेल, आर्यन जुआल, भुवनेश्वर कुमार, अंकित राजपूत, मोहसिन खान, शिवम मावी, शिवा सिंह और शानू सैनी।

# अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम पर अनिश्चितता, क्लब प्रतियोगिता में भाग ले रहीं भारतीय महिला खिलाड़ी

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

जेमिमा रोड्रिग्ज, वेदा कृष्णमूर्ति और दीप्ति शर्मा जैसी भारत की शीर्ष खिलाड़ी सोमवार से बेंगलुरू में क्लब टी20 क्रिकेट में हिस्सा लेंगी क्योंकि कोविड-19 महामारी के बीच टीम के अगले अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को लेकर अनिश्चितता बरकरार है। भारतीय टीम मार्च में टी20 क्रिकेट विश्व कप के बाद से मैदान से दूर है और टीम के अगले टूर्नामेंट को लेकर भी स्पष्टता नहीं है क्योंकि इस महीने होने वाले आस्ट्रेलिया दौरे को 2022 तक स्थगित कर दिया गया है। महिलाओं के घरेलू सत्र को लेकर भी कोई अंतिम फैसला नहीं किया गया है। बेंगलुरू में क्लब टूर्नामेंट चार से 12 जनवरी तक चलेगा और इसमें चार टीमें हिस्सा लेंगी। फाल्कन स्पोर्ट्स क्लब की गोल्डन जुबली के मौके पर इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है।

टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली अन्य भारतीय खिलाड़ियों मे राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम राउत, राधा यादव, वनिता वीआर, नुजहत प्रवीन, अनुजा पाटिल और तिरुष कामिनी शामिल हैं। पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की मौजूदा सदस्य शांता रंगास्वामी ने पीटीआई को बताया, ''इस प्रतियोगिता को कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ से स्वीकृति मिली है और बाहरी खिलाड़ियों (राज्य की बाहर की खिलाड़ी) के लिए जहां भी अन्य राज्य संघों से स्वीकृति की जरूरत थी वो हमने ली है।'' शांता फाल्कन स्पोर्ट्स क्लब की अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा, ''देश में कोविड-19 महामारी के कारण ज्यादा क्रिकेट नहीं हो रहा, इसलिए राज्य की बाहर की खिलाड़ियों की काफी रुचि है। वह मैदान पर वापसी को लेकर उत्सुक हैं।'' भारतीय खिलाड़ियों ने पिछली बार नवंबर में महिला टी20 चैलेंज में हिस्सा लिया था जो आईपीएल प्ले आफ के दौरान हुई प्रदर्शनी प्रतियोगिता थी। इसके साथ सात महीने के ब्रेक के बाद भारत की महिला क्रिकेटरों की मैदान पर वापसी हुई थी।

## महंगा पड़ा भारतीय क्रिकेटरों को रेस्टोरेंट जाना, 5 खिलाड़ी आइसोलेशन में

**मेलबोर्न।** भारत के 5 क्रिकेटरों को मेलबोर्न के एक इंडोर रेस्टोरेंट में खाना काफी महंगा पड़ गया। एक वीडियो वायरल होने के बाद इन सभी खिलाड़ियों को आइसोलेशन में भेज दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक इनडोर रेस्तरां में खाने के वीडियो के सामने आने के बाद भारत के 5 खिलाड़ियों को पृथकवास में भेजा गया है। इन खिलाड़ियों में भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान रोहित शर्मा भी शामिल हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार यह जांच की जा रही है कि उन्होंने जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल तो नहीं तोड़ा। उल्लेखनीय है ट्विटर पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें शुभमन गिल, रोहित शर्मा, नवदीप सैनी, ऋषभ पंत एक रेस्टोरेंट में एक टेबल पर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। नवलदीप सिंह नामक एक यूजर ने पहले दावा किया था कि उसे पंत ने गले लगाया था, लेकिन बाद में उसने इस बात का खंडन भी कर दिया। उसने ट्?वीट कर कहा कि पंत ने मुझे गले नहीं लगाया। मैं यह सब उत्साह में कह गया। हमने सभी के साथ डिस्टेंसिंग मेंटेन करके रखी थी।

## कोहली समेत कई दिग्गजों ने की गांगुली के जल्द स्वस्थ होने की कामना

**कोलकाता। (एजेंसी)**

कप्तान विराट कोहली समेत भारतीय क्रिकेट जगत ने बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) अध्यक्ष और राष्ट्रीय टीम के पूर्व कप्तान को सौरव गांगुली के जल्द स्वस्थ होने की कामना की, जो हल्का दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती है। शुक्रवार शाम वर्कआउट सत्र के बाद उन्होंने सीने में दर्द की शिकायत दी और आजदोबारा ऐसी समस्या के बाद परिवार के सदस्य उन्हें अस्पताल ले गए। इस पूर्व बल्लेबाज का उपचार कर रहे निजी अस्पताल के चिकित्सकों ने कहा, ''उन्हें हल्का दिल का दौरा पड़ा था लेकिन उनकी हालत स्थिर है और उन्हें 'कोरोनरी एंजियोग्राम' की आवश्यकता होगी। '' गांगुली को अस्पताल की 'क्रिटिकल केयर यूनिट' (सीसीयू) में भर्ती कराया गया है।

भारतीय कप्तान कोहली ने ट्वीट किया, '' आपके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहा हूं। जल्द ही ठीक हो जाइये।'' बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने बताया कि गांगुली पर उपचार का अच्छा असर हो रहा है। शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, '' मैं गांगुली के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना और प्रार्थना कर रहा हूं। मैंने उनके परिवार से बात की है। दादा (गांगुली) की स्थिति स्थिर हैं और उन्हें उपचार का फायदा हो रहा है।'' बीसीसीआई और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी गांगुली के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। बीसीसीआई ने ट्वीट किया, '' बीसीसीआई अध्यक्ष के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं।'' आईसीसी ने लिखा, '' भारत के पूर्व कप्तान औरबीसीसीआई के वर्तमान अध्यक्ष सौरव गांगुली को आज सुबह हल्के स्तर के हृदयघात का सामना करना पड़ा। उनकी स्थिति अब स्थिर है। हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।'' वीरेंद्र सहवाग, हरभजन सिंह, अनिल कुंबले और गौतम गंभीर जैसे गांगुली के पूर्व साथी खिलाड़ियों ने भी उनके जल्द ठीक होने की कामना की।

सहवाग ने ट्वीट किया, 'दादा, जल्दी से ठीक होने का, आपके शीघ्रस्वस्थ होने की कामना कर रहा हूं।' गंभीर ने ट्वीट किया, 'गांगुली को शीघ्र स्वस्थ होने की कामना। ध्यान रखे और भगवान आपकी रक्षा करें।' पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गांगुली के अस्पताल के भर्ती होने पर चिंता जताई है। ममता ने ट्वीट किया, ''गांगुली को हल्का दिल का दौरा पड़ने और उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबर सुनकर दुख हुआ। उनके जल्द और पूरी तरह से उबरने की कामना करती हूं। मेरी प्रार्थनाएं उनके और उनके परिवार के साथ हैं।'' पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने भी उनके शीघ्रस्वस्थ होने की कामना की।

## पाक कप्तान बाबर आजम दूसरे टेस्ट से बाहर, जानिए क्या रहा कारण

**कराची।** पाकिस्तान के नियमित कप्तान बाबर आजम के चोट से उबरने में विफल रहने के बावजूद कार्यवाहक कप्तान मोहम्मद रिजवान ने उम्मीद जतायी कि रविवार से क्राइस्टचर्च में शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच में उनकी टीम के जीतने की बेहतर संभावना है। बाबर ने शुक्रवार को नेट सत्र में भाग लिया था लेकिन शनिवार को उन्हें फिट नहीं होने के कारण मैच के लिए अनुपलब्ध करार दिया गया। रिजवान ने मैच पूर्व संध्या पर कहा, '' बाबर टेस्ट मैच के लिए अपनी फिटनेस को लेकर शत प्रतिशत आश्वस्त नहीं है और मुझे पता है कि मैच फिटनेस को लेकर जब तक वह पूरी तरह से सुनिश्चित न हो जाए, वह कोई जोखिम नहीं लेंगे।'' बाबर न्यूजीलैंड में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गये थे। क्वींसटाउन में थ्रो-डाउन के दौरान उनके अंगूठे में फैक्चर हो गया था।

वह इस दौरे पर एक भी मैच खेले बिना पाकिस्तान वापस लौटेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में पाकिस्तान ने पहले टेस्ट में कड़ा संघर्ष किया था और सिर्फ चार ओवर बाकी रहते मैच गंवाया था। इस मैच में अर्धशतकीय पारी खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज रिजवान ने कहा, '' बाबर की गैर मौजूदगी बड़ा झटका है क्योंकि वह हमारे अहम खिलाड़ी हैं। हमारे लिए श्रृंखला हालांकि खत्म नहीं हुई है हम अब भी टेस्ट जीत कर इसे को 1-1 से बराबर कर सकते है।'' टीम के चिकित्सक सोहेल सलीम ने कहा, '' बाबरकी चोट में सुधारहै लेकिन वह अभी पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाये हैं। वह हमारे कप्तान और सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाज हैं, इसलिए हम कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं।'' **पाकिस्तान टीम :** मोहम्मद रिजवान (कप्तान, विकेटकीपर), आबिद अली, अजहर अली, फहीम अशरफ, फवाद आलम, हारिस सोहेल, इमरान बट, मोहम्मद अब्बास, नसीम शाह, सरफराज अहमद, शाहीन शाह अफरीदी, शान मसूद, सोहेल खान, यासिर शाह और जफर गौहर।

# सिडनी टेस्ट मैच में खेलने से पहले डेविड वॉर्नर ने अपने फिटनेस को लेकर कहीं ये बात

**मेलबर्न। (एजेंसी)।**

ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने शनिवार को कहा कि भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पहले उनका पूर्ण फिटनेस हासिल करना 'काफी मुश्किल' है। उन्होंने हालांकि कहा कि वह चयन पैनल और टीम प्रबंधन के भरोसे पर खरा उतरने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। वार्नर को भारत के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान ग्रोइन में चोट लगी थी और उनका सात से 11 जनवरी तक होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए पूरी तरह फिट होना मुश्किल लग रहा है। वह श्रृंखला के पहले दो टेस्ट में भी नहीं खेल पाए थे जहां पारी का आगाज करने वाले जो बर्न्स और मैथ्यू वेड उम्मीदों पर खरा उतरने में नाकाम रहे। फिटनेट के बारे में पूछने पर वार्नर ने आनलाइन प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, ''हमें आज और कल ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा लेना है इसलिए मैं आपको इससे अधिक संकेत नहीं दे सकता कि अभी मेरी स्थिति क्या है। मैंने पिछले कुछ दिन से ट्रेनिंग नहीं की है लेकिन आज और कल की ट्रेनिंग के बाद बेहतर संकेत मिलेगा कि मेरी स्थिति क्या है। क्या मैं शत प्रतिशत फिट हो जाऊंगा? काफी मुश्किल है।'' उनके अगले बयान में हालांकि क्रिकेट आस्ट्रेलिया और टीम प्रबंधन की उन्हें खिलाने को लेकर उत्सुकता का पता चलता है।

बायें हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने कहा, ''लेकिन मैं मैदान पर उतरने और खेलने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। अगर इसका मतलब यह भी है कि मैं शत प्रतिशत फिट नहीं हूं तो भी अगर चयनकर्ता हरी झंडी देते हैं तो मैं हर संभव प्रयास करूंगा। '' वार्नर ने कहा कि कुछ नेट सत्र के दौरान उन्होंने पैर बाहर निकालकर खेलने का प्रयास नहीं किया लेकिन उन्हें पता है कि मैदान के दौरान कितने जज्बे की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, ''नेट पर बल्लेबाजी करने से संभवतः मुझे मदद मिली क्योंकि मुझे पता चला कि मुझे गेंद के मेरे करीब गिरने का इंतजार करना पड़ रहा है और मैं उस तक नहीं पहुंच रहा और एक जगह खड़ा होकर खेलने का प्रयास कर रहा हूं। यह कहना अजीब है।'' वार्नर की प्राथमिकता अधिक शॉट खेलने की जगह यह देखना है कि क्या वह गेंद को खेलने के बाद तेजी से एक रन लेने में सक्षम है या नहीं। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए विकेटों के बीच मेरी गति है जो मायने रखती है, इसके अलावा कुछ नहीं।

इससे भी अधिक कि मैं कौन से शॉट खेल पा रहा हूं या नहीं, देखना होगा कि मैं शॉट खेलने के बाद तेजी से एक रन ले पा रहा हूं या नहीं।'' वार्नर ने कहा, ''ये ऐसी चीजें हैं जिसके लिए मैं शत प्रतिशत फिट होना चाहता हूं और इस मामले में ऐसा नहीं होने जा रहा।'' एक और बड़ी चिंता यह है कि कैच लेने या लेग स्लिप या लेग गली में क्षेत्ररक्षण करते हुए क्या वार्नर अपने दायीं या बायीं ओर गोता लगा पाएंगे। टीम वार्नर को खिलाने को लेकर कितनी उत्सुक है इसका अंदाजा उनके रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम से भी लगता है जिसमें उन्हें दर्द निवारक दवा के इंजेक्शन भी दिए गए। उन्होंने कहा, ''रिहैबिलिटेशन की बात करूं तो दर्द मुक्त होने के लिए मैंने कुछ इंजेक्शन लिए और पहले दो हफ्ते चुनौतीपूर्ण थे। पलंग पर हिलना-डुलना भी मुश्किल था, कार के अंदर बैठना और बाहर निकलना। पहले इंजेक्शन से थोड़ा दर्द मुक्त होने में मदद मिली और मैं कुछ रिहैबिलिटेशन कर पाया।

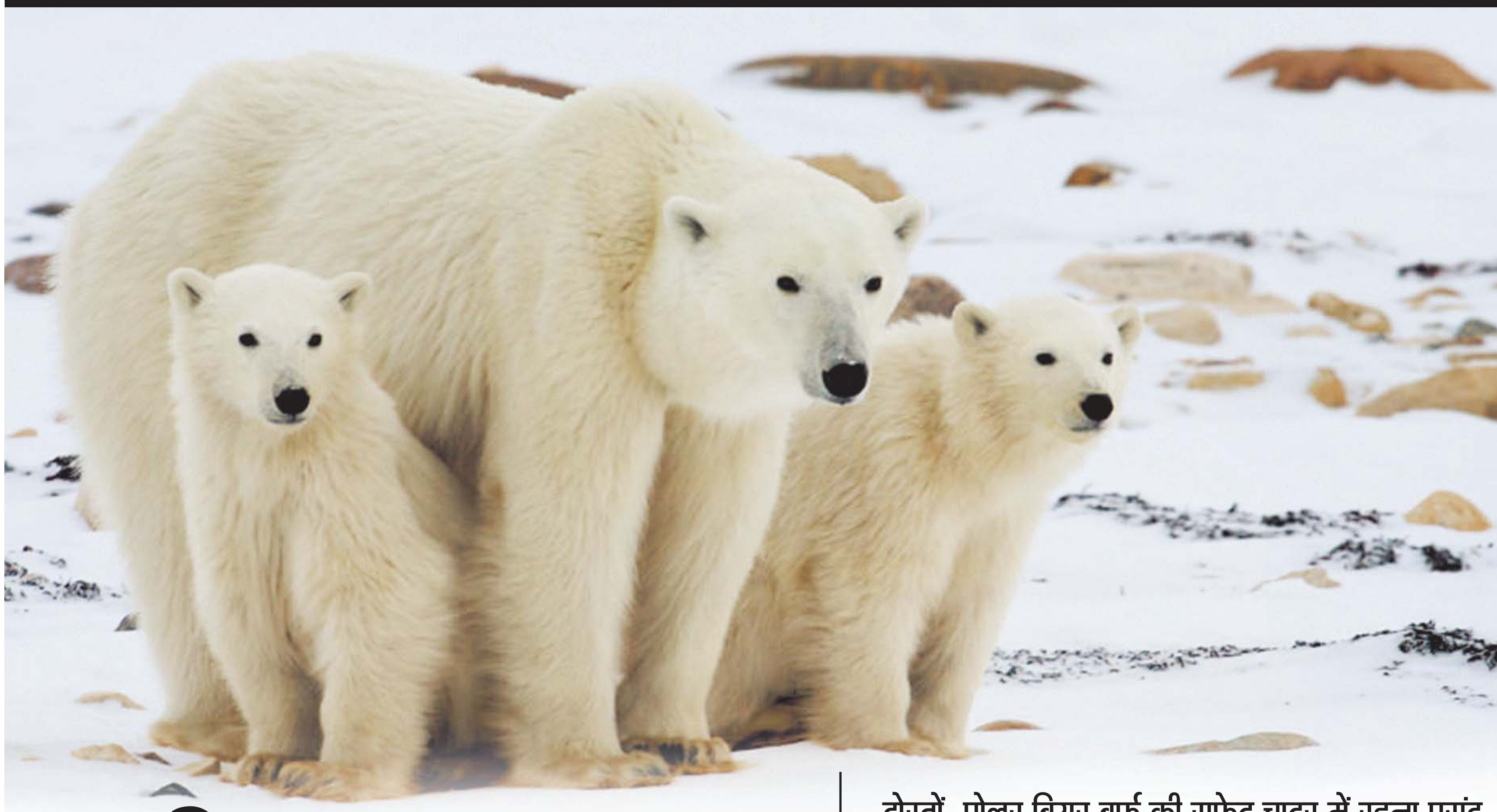

# कहीं गायब न हो जाएं... पोलर बियर

दोस्तों, पोलर बियर बर्फ की सफेद चादर में रहना पसंद करते हैं। अगर कभी बर्फ का तूफान आ जाए तो ये अपनी मम्मी के साथ बर्फ की गुफाओं में जा छिपते हैं। पिछले कुछ सालों में इनकी संख्या तेजी से कम हुई है। इस बार हम तुम्हें बता रहे हैं पोलर बियर से जुड़ी कई मजेदार बातें...

कुछ साल पहले पोलर बियर ने वैज्ञानिकों को खूब छकाया था। दरअसल, वैज्ञानिकों की एक टीम इनकी गिनती करने निकली थी, लेकिन न जाने इन्हें कैसे पता चला और ये गुफा से बाहर ही नहीं निकले। कितने दिन बीत गए, वैज्ञानिक हैरान-परेशान थे। बर्फ में इनका पता लगाना काफी मुश्किल था। तब वैज्ञानिकों ने इंफ्रारेड कैमरे से इनकी गिनती की योजना बनाई, पर ये भालू 'मिस्टर इंडिया' से कम नहीं। इंफ्रारेड रोशनी में तो ये बिल्कुल ही अदृश्य से हो गए। वैज्ञानिक बस उनकी आंखें और नाक देख सकते थे, पर पूरा भालू देखने में असमर्थ रहे। हालांकि बाद में इनकी गिनती का काम पूरा किया गया। लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि ऐसा सच में हो सकता है कि कुछ समय बाद पोलर बियर कहीं दिखें ही नहीं। दरअसल, इनकी संख्या काफी तेजी से कम हो रही है। चलो पहले ये जानते हैं कि ये होते कैसे हैं-

## कहां से आए ये...

साक्ष्यों को देखते हुए ऐसा माना जाता है कि वैज्ञानिक नाम उर्सूस मार्टीमस यानी पोलर बियर की उत्पत्ति पांच मिलियन वर्ष पहले हुई थी और इनके पूर्वज ब्राउन बियर थे। पोलर बियर मुख्य रूप से आर्कटिक महासागर और इस तरह के बर्फीले क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

## किन देशों में मिलते हैं...

भालुओं की यह प्रजाति लगभग 20 हजार साल से धरती के सबसे विषम स्थिति वाले क्षेत्रों में पाई जाती है, अमेरिका के अलास्का, कनाडा, रूस, ग्रीनलैंड और नार्वे में।

## बर्फ की गुफाओं में बचपन

तीन महीने की उम्र में ये गुफा में रहना छोड़ देते हैं और अपनी मां के साथ बर्फ में रहना सीखते हैं। हां, तेज तूफान में ये मां के साथ बर्फ की गुफाओं में छिप जाते हैं। इनके बच्चे प्रतिदिन 12 मील की दूरी तय करते हैं। इनके बच्चे ढाई वर्ष तक अपनी मां के साथ ही रहते हैं, ताकि ये शिकार करना सीख लें।

## कितने वजनदार हैं ये

एक नर पोलर बियर का वजन लगभग 775 से 1200 पाउंड यानी 350 से 680 किलोग्राम होता है, जबकि मादा का वजन 500 से 600 पाउंड यानी 227 किलो से 272 किलोग्राम होता है। दूसरे शब्दों में मादा का वजन नर के मुकाबले करीब आधे से भी कम होता है। इनके नवजात का वजन एक पाउंड से थोडम ज्यादा होता है। अभी पोलर बियर की संख्या 25,000 के आसपास है।

## कैसे दिखते हैं...

अधिकतर समय समुद्र में बिताने वाले इन भालुओं की जीभ का रंग नीला होता है। हमारे तो 32 दांत होते हैं, पर इनके कुल 42 दांत होते हैं। इनके शरीर पर सफेद फरों के अंदर काले फर होते हैं। इनके तलवे खुरदुरे होते हैं, जिससे ये बर्फ पर फिसलते नहीं, बल्कि आसानी से चलते हैं। इनकी त्वचा काली होती है और बाल रंगहीन होते हैं, लेकिन इनके बाल रोशनी को रिफ्लेक्ट यानी परावर्तित करते हैं, जिससे ये सफेद कोट की तरह दिखते हैं।

## काफी सफाई पसंद होते हैं...

ये काफी सफाई पसंद होते हैं। खाने के बाद तैर कर ये अपने शरीर को साफ कर लेते हैं या बर्फ में लुढ़क कर भी गंदगी साफ करते हैं।

## अच्छे तैराक भी...

अपने लैटिन नाम समुद्री भालू या सी बियर के अनुसार सच में ये काफी अच्छे तैराक होते हैं। एक घंटे में 6 मील की दूरी आसानी से तैर कर पार कर लेते हैं। तैरने में तो इतने माहिर होते हैं कि ओलंपिक विजेता तैराकों को भी शर्मिंदा कर दें। ये 100 मील की दूरी तक बिना रुके एक बार में तैराकी कर सकते हैं, यानी एक घंटे में 6 मील।

## गंध लेने में माहिर हैं ये...

एक किलोमीटर की दूरी पर ये सील को उसकी महक से पता लगा लेते हैं और अपनी भूख मिटाने का इंतजाम आसानी से करते हैं। अपनी सूंघने की क्षमता से ही अपने शिकार के बारे में जान जाते हैं। इनका मुख्य भोजन मछलियां, सील, ऊदबिलाव जैसे जीव होते हैं।

## ओलंपिक के लिए बने शुभंकर

कनाडा में आयोजित 1998 के शीतकालीन ओलंपिक में इन्हें शुभंकर यानी मैस्कट के लिए चुना गया था।

## खतरे में हैं ये जीव

पोलर बियर की औसत उम्र 25 साल होती है। पोलर बियर की घटती संख्या को देखते हुए अब कई देश इसके शिकार पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। कनाडा तो पोलर बियर पर टिकट भी जारी कर चुका है। शिकार के अलावा इन्हें सबसे ज्यादा खतरा ग्लोबल वार्मिंग से है, क्योंकि इस वजह से आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ तेजी से पिघल रही है और जब बर्फ ही नहीं रहेगी तो वहां रहने वाले जीव कब तक रह पाएंगे। पर्यावरणविदों व मौजूदा हालात इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि पृथ्वी से कुछ समय में इस अत्यंत दुर्लभ प्राणी का अस्तित्व पूरी तरह खत्म होने वाला है। एक रिपोर्ट के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग अगर मौजूदा स्तर से ही बढ़ती रही तो अगले 100 साल में दुनिया में एक भी पोलर बियर नहीं बचेगा। इनकी 19 प्रकार की जातियों में से आठ की संख्या गंभीर तौर पर गिर रही है और ये संकटग्रस्त हो चुकी हैं।

## खत्म हो रहा इनका भोजन

पोलर बियर को दुनिया का सबसे बड़ा मांसभक्षी जानवर माना जाता है। इस दुर्लभ होते जा रहे जीव के लिए सीलों की घटती संख्या को भी खतरा माना जा रहा है। ये भालू अपने भोजन के लिए सिर्फ सील पर निर्भर होते हैं। समुद्र में अब सीलों की संख्या भी लगातार घट रही है। जब इन्हें खाने को नहीं मिलेगा, तो वह कब तक जीवित रह पाएंगे। समुद्र में फैले जहरीले पदार्थों से भी खतरा पैदा हो रहा है। इसके अलावा आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती मानवीय गतिविधियां भी इनके प्राकृतिक निवास को प्रदूषित कर रही हैं।

## इंटरनेशनल पोलर बियर डे

27 फरवरी को इंटरनेशनल पोलर बियर डे घोषित किया गया है। यह ईवेंट लोगों में जागरुकता जगाने के लिए आयोजित किया गया है, क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से इन पर खतरा है। इनके आवास के साथ-साथ इनका भोजन भी छिन रहा है। पिघलती बर्फ जहां इन्हें बेघर कर रही है, तो समुद्री जीवों की कम होती संख्या से इनका आहार भी कम होता जा रहा है। इन मासूम जीवों को जीवित रखने के लिए हमें ही कुछ उपाय करना होगा, ताकि जलवायु पर असर न हो और बर्फ का पिघलना रुक सके।

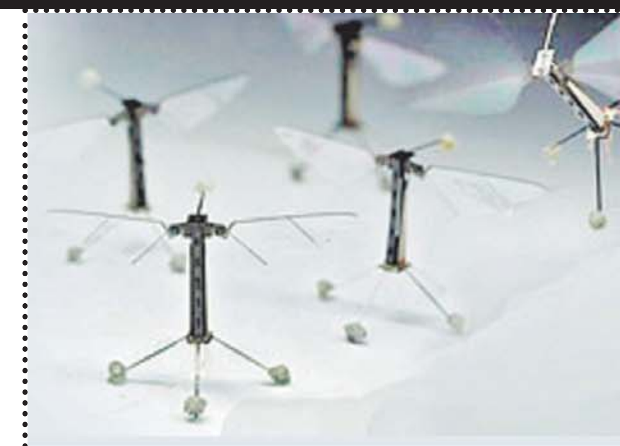

# बड़े काम का है नन्हा 'टर्मिस'

दीमक के मिलजुल कर बड़े-बड़े टीले खड़े कर देने की कला से सीख लेते हुए, अमेरिकी वैज्ञानिकों ने उन्हीं की तरह कार्य करनेवाले नन्हें रोबोट बनाए हैं। ये रोबोट ऐसी जगहों पर बड़ी-बड़ी चीजें बना सकते हैं, जहां इंसान का भी कोई बस नहीं चलता। ये यांत्रिक जीव बड़ी-बड़ी ईंटों को उठा कर एक जगह से दूसरी जगह ले जा सकते हैं। सीढ़ियां और पिरामिड भी बना सकते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अनुसार, दीमक रोबोट बड़े काम का है और मिलजुल कर बड़े काम को भी आसानी से कर लेता है। इस नन्हें रोबोट्स को टर्मिस नाम दिया गया है। इसे बहुत कम निर्देशों की जरूरत होती है। टर्मिस को इस तरह से प्रोग्राम किया गया है कि यह अपना काम खुद करने में सक्षम है। जिस कॉन्सेप्ट पर टर्मिस को बनाया गया है, उसे स्टिगमर्जी कहते हैं। यह एक तरह की अंदरूनी व्यवस्था है, जिसमें अगर बाहरी वातावरण में कोई बदलाव आए तो उससे एक-एक कर सभी मशीनें खुद ही हरकत में आ जाती हैं।

बच्चों, गुड़िया से तुम भी खेल रहे हो, तुम्हारी मां के पास भी थी हसीन गुड़िया, और तो और नानी-दादी के जमाने में भी लोकप्रिय था गुड्डे-गुड़ियों का खेल। बस रूप बदलता गया। नहीं विश्वास होता तो पूछो नानी या दादी से। खुश हो बखान करेंगी अपनी गुड़िया की खूबसूरती।

# गुड़िया रानी की कहानी...

गुड़िया शब्द सुनते ही आंखों के सामने सुंदर और प्यारी गुड़िया की छवि आ जाती है। तुम्हारे पास भी होंगी न डॉल्स...आंखें मटकाने वाली, बटन दबाते ही हंसने वाली, नाचने वाली...। सुलाओ तो सो जाती है, उठाओ तो उठ जाती है, चलाओ तो चल जाती है। सोचो कि उनका मूड खराब है तो उदास दिखती है, सोचो खुश है तो हंस देती है। ऐसी ही है न तुम्हारी डॉल...पर कभी सोचा कि तुम्हारे हाथों में जो चहेती गुड़िया है, ये आई कहां से? इसी गुड़िया से तुम भी खेल रहे हो, तुम्हारी मां के पास भी थी हसीन गुड़िया, और तो और नानी-दादी के जमाने में भी लोकप्रिय था गुड्डे-गुड़ियों का खेल। बस रूप बदलता गया। नहीं विश्वास होता तो पूछो नानी या दादी से। खुश हो बखान करेंगी अपनी गुड़िया की खूबसूरती।

## कब आई डॉल्स

17वीं शताब्दी में यूरोप में बनने वाली लकड़ियों की गुड़िया बड़ी प्रसिद्ध थी, जिसे खूबसूरत रंगों से रंग कर फैशनेबल कपड़ों में सजा दिया जाता था। लेकिन 19वीं और 20वीं सदी में इनका महत्व घट गया। ये काफी सस्ती हो गईं। फिर आया पोर्सलेन डॉल्स का जमाना, जिसकी उत्पत्ति चीन में हुई। इसे बनाने के लिए सांचे का निर्माण किया गया, जिसमें इनके सिर को ढाला जाता था। बाद तक इन डॉल्स के सिरों को विभिन्न देशों में निर्यात किया जाता रहा। गुड़िया बनाने में फ्रांस भी आगे रहा है। इसके बाद 19वीं सदी में आकर फैशन डॉल्स का चलन बढ़ गया, जो आज भी तुम्हारे हाथों में है बार्बी डॉल के रूप में। बार्बी के नाम से ही तुम सबके चेहरे खिल जाते हैं। पर पता है इसका जन्म तुम्हारे जन्म से बरसों पहले हो चुका था। वर्ष 1959 में ही रुथ हैंडलर ने फैशन डॉल के रूप में बार्बी को लॉन्च किया। उस वक्त जो डॉल चलन में थीं, वे छोटे बच्चों को प्रदर्शित करती थीं। तब रुथ ने बड़ी लड़कियों की तरह एक डॉल बनाने की सोची और जर्मनी की डॉल लिली को देखकर उनके दिमाग में बार्बी का आइडिया आया। बार्बी नाम रुथ की बेटी बारबरा के नाम पर दिया गया था। इस तरह न्यूयॉर्क के अमेरिकन अंतरराष्ट्रीय खिलौनों के मेले में 9 मार्च 1959 को बार्बी लॉन्च की गई।

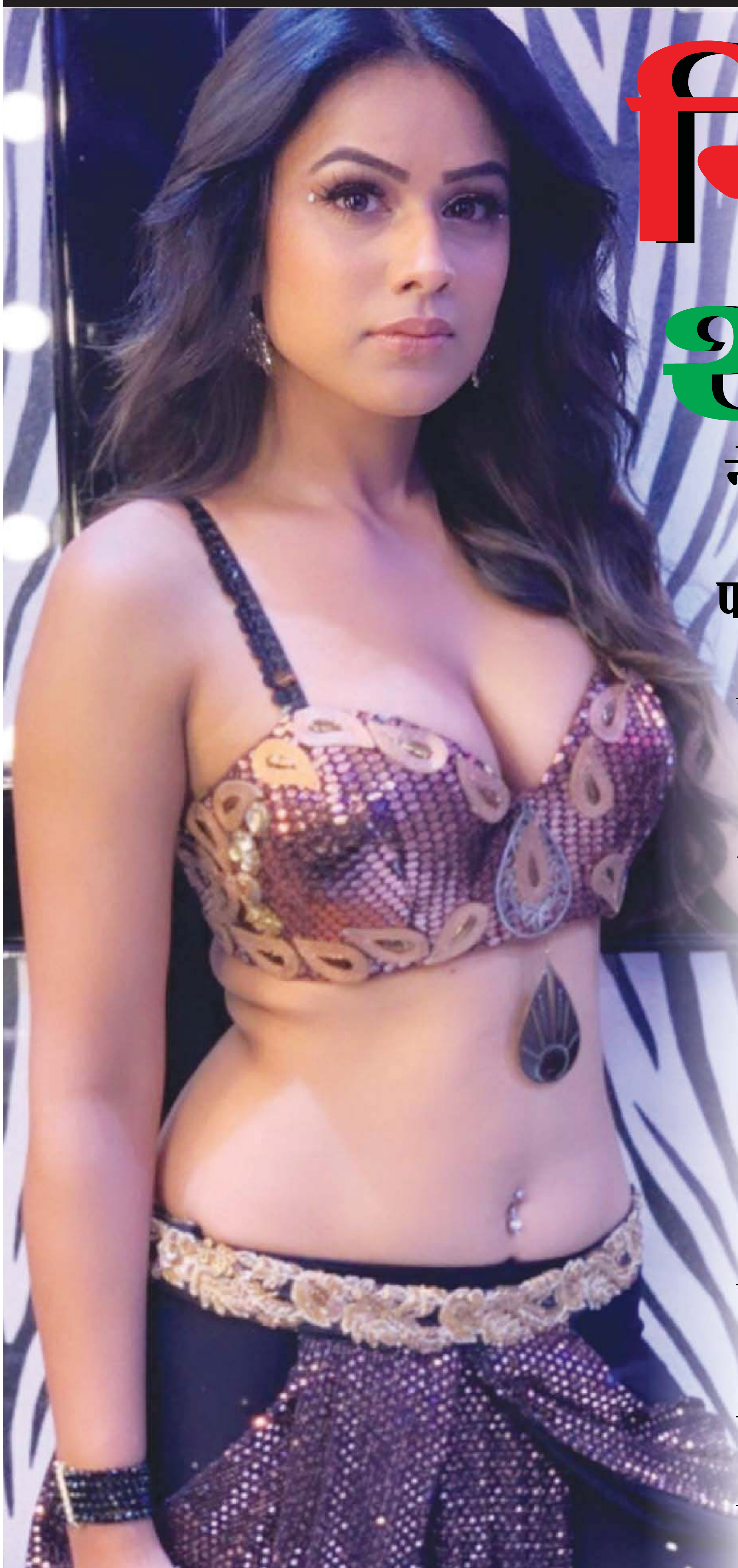

# निया शर्मा ने वॉलीबॉल के साथ बिकनी में कराया फोटोशूट, तस्वीरें हुई वायरल

टीवी कलाकार निया शर्मा ने बीच पर वॉलीबॉल खेलते हुए अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैद्य इसमें उन्हें गोल्डन और ब्लैक बिकनी में देखा जा सकता है। तस्वीरों में निया शर्मा काफी ग्लैमरस लग रही हैद्य निया शर्मा टेलीविजन इंडस्ट्री की हॉट और ग्लैमरस एक्ट्रेस है, हर कोई उन्हें देखना पसंद करता है। हाल ही में वह नागिन 4 में नजर आई थीद्य उनकी फैशन सेंस की सभी दीवाने हैंद्य उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कई हॉट तस्वीरें शेयर की है।

अब निया शर्मा ने हाल ही में अपना फोटो शूट कराया हैद्य इसमें वह काफी ग्लैमरस लग रही है ।वह बीच पर वॉलीबॉल खेलते हुए नजर आ रही है ।निया शर्मा इन तस्वीरों में गोल्डन और ब्लैक बिकनी पहने नजर आ रही हैद्य निया वॉलीबॉल के साथ पोज कर रही है।

निया शर्मा तस्वीरों में बहुत खूबसूरत लग रही है। उन्होंने लिखा है, जब आप गलती से ब्राउज़र की बोतल अपने शरीर पर गिरा लेते हैं।

यह पहली बार नहीं है जब निया शर्मा ने बिकनी में अपनी तस्वीरें पोस्ट की होद्य इसके पहले भी वह जमाई राज के अभिनेता रवि दुबे के साथ ग्लैमरस तस्वीर में नजर आ चुकी हैद्य निया शर्मा गोवा में एंजॉय कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं रिहाना नहीं हूं,हर मुझे आपका यह झूठ पसंद नहीं हैद्य निया शर्मा अपनी लाइफ खुलकर जी रही है।

निया शर्मा टेलीविजन एक्ट्रेस हैद्य वह कई शो में नजर आ चुकी हैं। उनकी सोशल मीडिया पर भी काफी फैन फॉलोइंग हैं। निया शर्मा की तस्वीरें अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होती हैद्य निया शर्मा ने कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं।

निया शर्मा ने इसके पहले भी बिकिनी में कई तस्वीरें शेयर की हैं ।जिन्हें भी फैंस ने पसंद किया हैंद्य निया शर्मा फोटो को मिल रहे रिस्पांस के चलते ऐसे दमदार फोटोशूट कराती हैं।

# Indian Idol 12: रोहनप्रीत सिंह ने कहा मुझे नेहा पर गर्व है', नेहा संग मंच साझा करेंगे रोहनप्रीत

सोनी टीवी का लोकप्रिय सिंगिग रियलिटी शो इंडियन आइडल 12 अब तक दर्शकों के बीच अपना जलवा बिखेरने में कामयाब रहा है। सिंगर्स हर दिन अपनी परफॉरमेंस से सभी का दिल जीत रहे हैं। इस बार शादी स्पेशल एपिसोड में नेहा कक्कड़, रोहनप्रीत सिंह, भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया गेस्ट के रूप में नज़र आएंगे। नेहा शो को जज भी करती हैं। नेहा और रोहनप्रीत शादी बाद पहली बार इंडियन आइडल 12 में साथ नजर आएंगे। नेहा कक्कड़ और उनके पति रोहनप्रीत इंडियन आइडल के मंच पर शादी की थीम पर आधारित स्पेशल एपिसोड में नजर आएंगे।

वहीं, रोहनप्रीत ने ये भी कहा कि वो खुद और उनका पूरा परिवार नेहा और उनकी अचीवमेंट्स पर गर्व महसूस करता है। इतने बड़े स्टेज पर खड़ा होने के लिए रोहनप्रीत खुद को शुक्रगुजार मानते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी मां से इस बात का जिक्र किया है कि वे खुशकिस्मत हैं कि नेहा की वजह से उन्हें इतने बड़े और प्रतिष्ठित मंच पर आने का मौका मिला है। रोहनप्रीत ने इंडियन आइडल के अपने अनुभव शेयर करते हुए बताया कि 'यह सबसे बड़े स्टेज में से एक है और मैं अपनी पत्नी के कारण इस पर खड़ा हूं कि मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मनाता हूं, मुझे नेहा पर इतना गर्व महसूस होता है।

रोहनप्रीत ने कहा कि नेहा किसी भी चीज को छूती हैं तो वो सोना बन जाती हैं, मैं वास्तव में खुश हूं कि वह मेरे साथ हैं'। तो वहीं नेहा कक्कड़ अपने पति की इन बातों को सुनकर इमोशनल हो गईं और उनके आंसू निकल आएं। बता दें कि सिंगर नेहा कक्कड़ ने रोहनप्रीत सिंह ने 24 अक्टूबर को दिल्ली में एक पारंपरिक आनंद कारज समारोह के जारिए गायक रोहनप्रीत सिंह के साथ शादी के बंधन में बंध गए। शादी में कपल के करीबी दोस्त और परिवार के लोगों ने भाग लिया था।

# Taapsee Pannu को 'क्रिमिनल जस्टिस- बिहाइंड क्लोज़्ड डोर्स देख याद आया थप्पड़ का डायलॉग- No Means No

डिज़्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज़ हुई क्रिमिनल जस्टिस- बिहाइंड क्लोज़्ड डोर्स डोमेस्टिक एब्यूज़ के संवेदनशील मुद्दे को रेखांकित करती है। इस सीरीज़ के ज़रिए शादीशुदा महिलाओं की स्थिति और अधिकारों को लेकर अहम सवाल उठाये गये हैं। थप्पड़ में कुछ ऐसा ही किरदार निभाने वाली तापसी पन्नू ने एक वीडियो के ज़रिए इस मुद्दे पर बात रखी।

तापसी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वो कहती हैं- यह शो समस्याओं को संवेदनशील तरीके और समझदारी से उठाता है और यह शो उस समय आया है, जब लॉकडाऊन के दौरान महिलाओं के घरेलू शोषण के मामलों में वृद्धि हुई। मेरा मानना है कि नहीं मतलब नहीं। चाहे आप शादी शुदा हैं या नहीं, सहमति सबसे जरूरी है। मुझे उम्मीद है कि यह शो महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ाएगा ताकि वो इस तरह के अपराध के ख़िलाफ़ आवाज़ उठा सकें और समाज के दबाव के चलते चुप्पी ना साध लें। वीडियो के साथ तापसी ने लिखा- नो मीन्स नो। शादी के बाद भी... बता दें, अनुभव सिन्हा निर्देशित थप्पड़ में तापसी पन्नू के किरदार के ज़रिए डोमेस्टिक वायोलेंस और सहमति का सवाल उठाया गया था और डोमेस्टिक वायोलेंस के ख़िलाफ़ तगड़ा संदेश देती है।

क्रिमिनल जस्टिस- बिहाइंड क्लोज़्ड डोर्स अनुराधा चंद्रा (कीर्ति कुल्हरी) की कहानी है, जिसने कबूल किया है कि उसने अपने पति बिक्रम (जिशु सेनगुप्ता) को चाकू मारा। यह शुरू में ओपन-एंड-शट केस मालूम होता है, लेकिन वकील माधव मिश्रा (पंकज त्रिपाठी) और निखत हुसैन (अनुप्रिया गोयनका) का मानना है कि इसमें ऐसा भी कुछ है, जो दिखाई नहीं दे रहा। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, विवाहेत्तर शोषण का खुलासा होता। शो की अन्य कास्ट में दीप्ति नवल, मीता वशिष्ठ, आशीष विद्यार्थी, जिशु सेनगुप्ता, शिल्पा शुक्ला जैसे कलाकार विभिन्न भूमिकाओं में नज़र आ रहे हैं। इसकी कहानी अपूर्वा असरानी ने लिखी है।

# Sidharth Shukla And Shehnaaz Gill Video: शहनाज गिल सिद्धार्थ शुक्ला के साथ गोवा में कर रही है पार्टी

सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल दोस्त रियाज अली के साथ अपने हालिया रिलीज सिंगल शोना-शोना गाने पर गोवा में पार्टी करती नजर आएद्य बिग बॉस 13 की फेमस जोड़ी सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल गोवा में मस्ती कर रहे हैंद्य दोनों की सोशल मीडिया पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग हैद्य दोनों परसों ही गोवा के लिए रवाना हुए हैंद्य इसके पहले शहनाज गिल बिग बॉस 14 में सलमान खान के साथ थीद्य उन्होंने सलमान खान का जन्मदिन भी मनाया था।

इसके बाद शहनाज गिल सिद्धार्थ शुक्ला के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुई। वह गोवा जा रही थी। जहां वह सिद्धार्थ शुक्ला के साथ एक म्यूजिक वीडियो शूट करने वाली हैद्य इस मौके पर उनके दोस्त रियाज अली भी साथ हैंद्य दोनों ने शूटिंग के व्यस्त शेड्यूल से समय निकालकर मस्ती की हैद्य सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैद्य दोनों अपने दोस्तों के साथ डांस कर रहे हैं।

पार्टी के लिए शहनाज गिल ने जहां पिंक कलर की हुडी पहनी हैद्य वही सिद्धार्थ शुक्ला ने ब्लैक कलर की टी-शर्ट पहनी हैद्य राघव शर्मा ने एक वीडियो शेयर किया हैद्य इसमें दोनों को शोना-शोना गाने पर डांस करते देखा जा सकता हैंद्य इस गाने को टोनी कक्कड़ ने गाया हैद्य सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल इसके पहले भुला दूंगा और शोना-शोना नामक दो वीडियो शूट कर चुके हैं और वैलेंटाइन डे पर रिलीज होने वाले तीसरे गाने को शूट करने के लिए गोवा पहुंचे हैं। शहनाज गिल बिग बॉस 13 से काफी लोकप्रिय हुई हैंद्य उनकी और सिद्धार्थ शुक्ला की जोड़ी काफी पसंद की जाती हैद्य दोनों इसके चलते दोनों अपनी लोकप्रियता भुनाने में लगे हुए हैं।

सिद्धार्थ शुक्ला ने एक और शो साइन किया हैं। इसमें वह मुख्य भूमिका में नजर आएंगेद्य हाल ही में उन्होंने इस बात का खुलासा किया थाद्य वह इस शो को लेकर बहुत उत्साहित है।

## कोरोना वैक्सीन लगवाने से अखिलेश यादव का इनकार, भाजपा ने किया पलटवार

लखनऊ(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा शनिवार को कोरोना वैक्सीन लगवाने से इनकार कर दिया। उन्होंने इसके पीछे तर्क दिया कि उन्हें बीजेपी की वैक्सीन पर भरोसा नहीं है। उनके इस बयान के बाद सत्तारूढ़ भाजपा उन पर हमलावर हो गयी है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव के इस बयान को बचकाना करार देते हुए इसे वैज्ञानिकों का अपमान बताया है।

सपा मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज यहां कहा कि वो कोरोना की वैक्सीन नहीं लगवाएंगे। मैं बीजेपी की वैक्सीन पर कैसे भरोसा कर सकता हूं, जब हमारी सरकार बनेगी तो सभी को फ्री में टीका लगेगा। हम बीजेपी की वैक्सीन नहीं लगवा सकते। उनके इस बयान पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि विश्व के महान वैज्ञानिकों के साथ ही नामचीन चिकित्सों के प्रयास पर प्रश्न उठाने वाले अखिलेश यादव को इन सभी से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव ने बेहद ही बचकाना बयान दिया है। उन्होंने कहा कि विश्व के नामचीन वैज्ञानिक तथा चिकित्सक वैश्विक महामारी को परास्त करने में लगे हैं। दवाओं पर शोध हो रहा है जबकि वैक्सीन भी तैयार कर ली गई है। ऐसे में अखिलेश यादव बयान दे रहे हैं कि मैं भाजपा की वैक्सीन नहीं लगवाउंगा।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अब अखिलेश यादव को कौन समझाए कि वैक्सीन भाजपा या किसी पार्टी की नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास से रूस, ब्रिटेन तथा अमेरिका अब भारत को वैक्सीन देने को तैयार है। भारत के 132 करोड़ लोगों के लिए वैक्सीन की व्यवस्था की जा रही है। अखिलेश जी का वैक्सीन पर सवाल उठाना, हमारे देश के चिकित्सकों एवं वैज्ञानिकों का अपमान है जिसके लिए उन्हें माफी माननी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सच है कि अखिलेश यादव को वैक्सीन पर भरोसा नहीं है और उत्तर प्रदेश वासियों को अखिलेश यादव पर भरोसा नहीं है। अखिलेश यादव का वैक्सीन पर सवाल उठाना महान वैज्ञानिकों का अपमान है। अखिलेश यादव इसके लिए माफी मांगे। मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की जनता को जहां तक मैं समझता हूं कम से कम 25 साल आपको मौका देने वाली नहीं है। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह का अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार किया है।

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि ''भ्रष्टाचार और गुण्डाराज को समाप्त करने के लिए ''भाजपा की वैक्सीन'' कारगर साबित हुई है। आप कौन सी वैक्सीन की बात कर रहे है अखिलेश यादव जी।'' उल्लेखनीय है कि शनिवार को केंद्र की ओर से भी कोरोना वैक्सीन के टीकाकरण पर अहम ऐलान किया गया था। दिल्ली में कोरोना वैक्सीनेशन के ड्राई रन का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि सिर्फ दिल्ली ही नहीं, पूरे देश में कोरोना की वैक्सीन मुफ्त में लगाई जाएगी।

## बदमाशों ने क्षतिग्रस्त की आंबेडकर प्रतिमा, विरोध करने पर फायरिंग में दो घायल

जौनपुर (एजेंसी)। जिले में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने से तनाव बढ़ गया है। इस दौरान विवाद में गोली चलने से दो लोग घायल हो गए। मौके पर पुलिस बल ने पहुंचकर स्थिति को संभाला। जानकारी के अनुसार, जौनपुर जिले के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के परियावा कुड़वा बाजार में शुक्रवार की रात डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा से छेड़छाड़ करने के विवाद में गोली चलने से दो लोग घायल हो गए। उनका उपचार जिला अस्पताल में कराया गया। मौके पर पहुंची पुलिस गोली चलने को संदिग्ध मान रही है। अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है।

प्राप्त विवरण के मुताबिक कुड़वा चैराहे पर लगी डॉ. आंबेडकर प्रतिमा स्थापित है। ग्रामीणों का आरोप है कि शुक्रवार की रात तीन बदमाश आए और प्रतिमा तोड़ने लगे। आवाज सुनकर पास में ही रहने वाले सुजीत (21) और मुलायम (22) पहुंच गए। मूर्ति तोड़ने का विरोध किया तो बदमाश मारपीट करने लगे। इस दौरान गोली चलने से मुलायम जख्मी

हो गया। सुजीत के सिर पर असलहे की मुठिया से चोट आई। फायरिंग की आवाज सुनकर ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। ग्रामीणों को आते देख बदमाश हवाई फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों द्वारा घायलों को जिला अस्पताल लाया गया। सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने ग्रामीणों को कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब जाकर लोग शांत हुए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## किशोरी के साथ दुराचार, अस्पताल में भर्ती, हालत गंभीर

बाराबंकी (एजेंसी)। जिले में मसौली थाना क्षेत्र में शुक्रवार की शाम खेत गई 14 वर्षीय किशोरी के साथ क्षेत्र के ही एक युवक ने दुराचार किया। रोती बिलखती पीड़िता घर पहुंची और अपनी मां को घटना की जानकारी दी। पीड़िता के भाई ने घटना की सूचना डायल 112 पर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़िता को जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पिता की तहरीर पर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)


जानकारी के मुताबिक मसौली थाना क्षेत्र की एक 14 वर्षीय किशोरी शुक्रवार की शाम करीब सात बजे शौच के लिए खेत गई थी। रास्ते में उसे क्षेत्र के ही एक युवक अमित ने दबोच लिया और दुराचार किया। आरोपी अमित के चुंगल से छूटकर पीड़ित किशोरी रोती बिलखती घर पहुंची। उसने अपनी मां तो पूरी घटना बताई।

पीड़िता के भाई ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की,

लेकिन वह फरार हो चुका था। उधर, दुराचार के कारण किशोरी को ब्लीडिंग शुरूहो गई थी। जिससे उसकी हालत खराब हो रही थी। पुलिस ने पीड़ित किशोरी को उपचार के लिए जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पिता ने दी तहरीर, जांच शुरू पीड़िता के पिता ने आरोपी अमित के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है।

जिस पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। आरोपी फरार हैं।

## लापता हिस्ट्रीशीटर की गला घोंटकर हत्या, कार में मिला

कानपुर (एजेंसी)। रेलबाजार खपरा मोहाल के लापता हिस्ट्रीशीटर युवक की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। उसका शव शनिवार को धर्मेंद्र नगर सीटीआई नहर किनारे एक कार में मिला। कार के अंदर शव देख लोगों ने कंट्रोल रूम को सूचना दी। मौके पर डीआईजी, एसपी साउथ, बर्रा, गोविंद नगर फोर्स और फोरेंसिक टीम पहुंची। जांच पड़ताल के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फोरेंसिक टीम का कहना है कि युवक की हत्या कहीं और हुई और शव यहां छोड़ा गया है।

विवरण के मुताबिक खपरा मोहाल निवासी आशू यादव के खिलाफ कैंट थाने में 10 मुकदमे दर्ज हैं। ३१ दिसम्बर की रात करीब दो बजे आशू के मोबाइल पर किसी की कॉल आई थी। इसके बाद वह कार से चला गया। सुबह तक न लौटने पर उसकी तलाश की गई और

भाई की गुमशदगी दर्ज कराई गई थी। शनिवार दोपहर पुलिस ने जानकारी दी कि सीटीआई नहर किनारे कार में आशु का शव मिला है। फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल कर साक्ष्य जुटाए। डीआईजी प्रीतिंदर सिंह ने बताया युवक की टाई या किसी अन्य से गला कसकर हत्या की गई है। सर्विलांस सेल, फोरेंसिक और पुलिस की टीम खुलासे के लिए लगाई गई है।

## यूपी में मकर संक्रांति के आसपास शुरूहोगा कोरोना वैक्सीनेशन-योगी

गोरखपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को ऐलान किया कि वैश्विक महामारी कोरोना के खात्मे के लिए मकर संक्रांति के आसपास टीकाकरण शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि टीकाकरण श्रेणीवार किया जाएगा। इससे कोरोना संक्रमण पर प्रभावी रूप से नियंत्रण में सफलता मिलेगी। प्रदेश के छह जिलों में ड्राई रन शुरूहो चुका है। पांच जनवरी को प्रदेश के सभी जिलों में ड्राई रन किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 2021 में कोविड-19 महामारी का खात्मा हो जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी शनिवार को यहां कलेक्ट्रेट परिसर में अधिवक्ताओं के बहुमंजिला चेम्बर के निर्माण कार्य के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 महीने से वैश्विक महामारी कोविड-19 से हर व्यक्ति त्रस्त है। दुनिया की सबसे बड़ी ताकत अमेरिका की हालत किसी से छिपी नहीं। बिट्रेन जिसने टीका की शुरूआत की वहां फिर से लॉकडाउन की स्थिति बनने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश और प्रदेश में 2021 की शुरूआत में विश्वास के साथ कह सकते हैं कि पांच जनवरी से पूरे प्रदेश में ड्राई रन होगा। मकर संक्रांति के आसपास देश और प्रदेश में कोरोना का टीकाकरण शुरू होगा। हम इस सदी की सबसे बड़ी बीमारी का खात्मा करने में सफल होंगे। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी आबादी का राज्य उत्तर प्रदेश कोरोना की रोकथाम में भी सबसे बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहा। आज प्रदेश में 68 हजार से घट कर कोरोना के मामले 13 हजार पर पहुंच गए हैं। रिकवरी रेट 97 फीसदी और मृत्यु दर एक फीसदी के आसपास है। सरकार के अस्पतालों में कोरोना का उपचार करने वालों ने इंतजाम की सराहना की। उन्होंने कहा कि कोरोना-19 पर प्रभावी नियंत्रण भी लगा। आज प्रदेश के छह जिलों में टीके का ड्राई रन प्रारंभ हुआ है। पांच जनवरी से पूरे प्रदेश में होगा।

## शिक्षक हितों, पुरानी पेंशन बहाली के लिये जारी रहेगा संघर्ष इतिहास के कठिन दौर से गुजर रहें हैं कर्मचारी, शिक्षक

बस्ती (एजेंसी)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने शनिवार को शिक्षक भवन पर पत्रकारों से वार्ता करते हुये कहा कि देश, प्रदेश का शिक्षक इतिहास के कठिन दौर से गुजर रहा है। उस पर जिम्मेदारियां पहले से अधिक बढी है किन्तु अधिकार लगातार छीने जा रहे हैं। यहां तक कि बुढापे की लाठी पेंशन का लाभ हासिल करने के लिये अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा देश व्यापी आन्दोलन चलाया जा रहा है किन्तु केन्द्र और राज्य सरकारें पुरानी पेंशन नीति बहाली को तैयार नहीं हो रही है। कहा कि कोरोना संकट काल में शिक्षकों की जिम्मेदारियां और अधिक बढ गई हैं। यह अच्छी बात है कि शिक्षक इन चुनौतियों का डटकर सामना कर रहे हैं। कोराना काल में अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुये प्राण गवाने वाले शिक्षकों, कर्मचारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि हम संकल्पबद्ध हैं कि शिक्षक अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ है किन्तु उसके अधिकार छीने नहीं जाने चाहिये। कहा कि संगठन का पहला लक्ष्य है कि जनपद में नव नियुक्तलगभग १३०० अध्यापकों का नि:शुल्क सर्विस बुक बनवाकर आन लाइन के आधार पर वेतन भुगतान सुनिश्चित कराया जाय। सभी अध्यापकों की वरिष्ठता सूची जारी कराकर पदोन्नति की कार्यवाही कराया जायेगा। किसी भी स्तर पर अध्यापकों का शोषण नहीं होने पायेगा।

पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये संघ अध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि जनपद के ६२ विद्यालयों में छात्रों के शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं है, लगभग एक हजार परिषदीय विद्यालयों में बाउन्ड्रीवाल नहीं है, कायाकल्प प्रक्रिया से ७५० विद्यालय अपूर्ण हैं। परिषदीय विद्यालयों को सुविधाओं से सम्पन्न किया जाय जिससे वे निजी विद्यालयों से बेहतर परिणाम दे सकें। सभी विद्यालयों में डेस्क, बेंच, बालक, बालिका एवं दिव्यांग शौचालय, कक्षा कक्ष के टाईलीकरण, विद्युत संयोजन की व्यवस्था हो। इस सम्बन्ध में संघ की ओर से

## निजी और सार्वजनिक भूमि पर धार्मिक स्थलों पर नियंत्रण के लिए अध्यादेश लाएगी योगी सरकार

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अब गैरकानूनी धर्मांतरण कानून को मंजूरी देने के बाद एक और अध्यादेश लाने की तैयारी कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार अब निजी और सार्वजनिक भूमि पर धार्मिक स्थानों को विनियमित करने और नियंत्रित करने के लिए जल्द ही एक अध्यादेश ला सकती है। हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष इस संबंध में एक प्रस्ताव रखा गया है। अगर यह कानून आता है तो जाहिर सी बात है कि इस पर भी विवाद हो सकता है क्योंकि सिर्फ सरकारी ही नहीं बल्कि निजी जमीन पर भी बने धार्मिक स्थलों पर योगी सरकार अध्यादेश लाने की तैयारी कर रही है।

इस बात को लेकर भाजपा और अधिकारियों को सरकार की मंशा से अवगत करा दिया गया है। धार्मिक मामलों का विभाग इस मुद्दे पर फिलहाल विचार विमर्श कर रहा है और जानकारियां जुटा रहा है। हालांकि भाजपा की ओर से यह पहली बार प्रयास नहीं किया जा रहा है। इससे पहले भी भाजपा इस तरीके का कानून लाने की तैयारी में थी जब साल २००० में राम प्रकाश गुप्ता उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। उस समय इसका नाम यूपी रेगुलेशन ऑफ पब्लिक रिलीजियस बिल्डिग एंड प्लेसेस बिल २००० रखा गया था। भारी विरोध के बावजूद इसे विधानसभा में पारित करा लिया गया था। इसके बाद इस बिल को राज्यपाल के पास भेजा गया था। राज्यपाल सूरजभान ने इसे राष्ट्रपति की सहमति के लिए भेजा और यह फाइल राष्ट्रपति के पास ही पड़ा रह गया। उस वक्तके आर नारायणन देश के राष्ट्रपति थे।

उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि एक बार फिर से ऐसी स्थिति से बचने के लिए योगी सरकार अध्यादेश लाने पर विचार कर रही है। इस अध्यादेश का नाम उत्तर प्रदेश रेगुलेशन एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ रिलीजियस प्लेस दिया गया है। धार्मिक मामलों के विभाग और संसदीय विभाग के मामलों में विचार विमर्श के बाद ही इसे अमल में लाया जाएगा। सन २००० में सरकार का प्रस्ताव समुदाय के बावजूद धार्मिक स्थानों के कामकाज को नियंत्रित और विनियमित करने का था। उस समय अल्पसंख्यक समुदायों ने इसका विरोध किया था। इस बार भी इस बिल पर विरोध हो सकता है।

## सार-समाचार

### नावालिग पुत्री को घूमने के बहाने बुलाकर अश्लील हरकतें कर छेड़छाड़ करने का आरोप

ललितपुर(एजेंसी) कुछ लोगों ने एक नाबालिग लड़की को घूमने फिरने के बहाने बुलाकर उसके साथ अश्लील हरकतें कर उसके साथ छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया। घटना के परिपेक्ष में पीड़िता की मां ने पुलिस को लिखित रूप से शिकायती पत्र देकर सभी आरोपियों पर मामला दर्ज कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक मोहल्ला निवासी एक महिला ने सदर कोतवाली पुलिस को लिखित रूप से शिकायती पत्र देकर अवगत कराया कि उसके मोहल्ले के ही आकाश पुत्र अशोक कुशवाहा के साथ तीन अन्य लोगों ने मिलकर एक राय होकर एक साजिश के तहत उसकी नाबालिग पुत्री को घूमने फिरने के बहाने हाईवे के पास बुलाया। और जब उसकी पुत्री उनकी बातों में फंस कर वहां पहुंची तब उन लोगों ने एक राय होकर उसके साथ अश्लील हरकतें कर छेड़छाड़ की। सदर कोतवाली पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर सभी आरोपियों के खिलाफ 354 व 354घ तथा 7/8 पास्को एक्ट में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

**मां की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ पास्को एक्ट में हुआ मामला दर्ज**

### आंदोलनरत किसान की मौत पर अखिलेश ने केंद्र सरकार पर लगाया निष्ठुर होने का गंभीर आरोप

लखनऊ(एजेंसी)। राजधानी के समीप गाजीपुर सीमा पर किसान आंदोलन के दौरान एक किसान की मौत पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शोक जताते हुए सत्तारूढ़ भाजपा पर 'निष्ठुर' होने का आरोप लगाया। शनिवार को यादव ने एक ट्वीट में कहा 'नव वर्ष के पहले दिन ही किसान आंदोलन में ग़ाज़ीपुर बार्डर पर एक किसान की शहादत की ख़बर विचलित करनेवाली है। घने कोहरे व ठंड में किसान लगातार अपने जीवन का बलिदान कर रहे हैं लेकिन सत्ताधारी हृदयहीन बने बैठे हैं। भाजपा जैसा सत्ता का इतना दंभ व इतनी निष्ठुरता अब तक कभी नहीं देखी गयी।' गौरतलब है कि केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे एक किसान की शुक्रवार को गाजीपुर बॉर्डर पर दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। एक अधिकारी के अनुसार बागपत जिले के भगवानपुर नांगल गांव के निवासी मोहर सिंह (57) को पास के एक अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। किसान संगठन बीकेयू के प्रदेश अध्यक्ष राजबीर सिंह ने कहा कि कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान जिन किसानों की मृत्यु हुई है उन्हें शहीद का दर्जा दिया जाना चाहिए।

### हाथरस गैंगरेप केस पीड़िता के परिवार योगी सरकार ने डीएम को दे दिया इनाम

हाथरस (एजेंसी)। हाथरस के गैंगरेप केस में पीड़िता के शव को देर रात अंतिम संस्कार करवाने के बाद चर्चा में आए डीएम प्रवीण लक्षकार का योगी सरकार ने अब ट्रांसफर कर दिया है। उन्हें मिर्जापुर का जिलाधिकारी बनाया गया है। पीड़िता के परिजन डीएम को बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं। पीड़िता की भाभी का कहना है कि डीएम साहब मिर्जापुर में भी जाकर बेटियों के साथ ऐसा ही व्यवहार करेंगे। डीएम का तबादला होने के बाद पीड़िता की भाभी ने डीएम को लेकर अपना गुस्सा जाहिर किया। पीड़िता की भाभी ने कहा कि हाथरस के डीएम को बर्खास्त होना चाहिए। न जाने सरकार उन पर क्यों मेहरबान है। सरकार ने इनाम में दे डाला हाथरस से बड़ा जिला। जिस जिले में वह जाएंगे वहां ऐसा ही करेंगे। ट्रांसफर के बारे में रात को ही पता चल गया था। डीएम को सबक मिलना चाहिए। डीएम ने इस पूरे मामले में क्या खोया है, खोया तो उनके परिवार ने है। हाथरस के चंदपा कोतवाली क्षेत्र के गांव में युवती के साथ गैंगरेप और बाद में उसकी मौत के मसला देश में राजनीतिक तूफान बन गया। दिल्ली के अस्पताल में युवती की मौत के बाद रातों-रात उसका शव परिजनों से पूछे बगैर जलाने के मामले ने आग में घी का काम किया। मीडिया, सोशल मीडिया और राजनीतिक दलों ने इस खासा मुद्दा बनाया। युवती के साथ हैवानियत और बाद में उसका अंतिम संस्कार सरकार और प्रशासन की गले की फांस बन गया। इन दोनों ही मामले में पुलिस-प्रशासन पर सारा दोष आया। दबाव बढ़ने पर यूपी सरकार ने हाथरस के एसपी समेत पांच पुलिसवालों को सस्पेंड कर दिया, लेकिन डीएम को बने रहने दिया। इसी बीच डीएम प्रवीण लक्षकार का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वे पीड़िता के घर बैठकर उन पर मीडिया से दूर रहने के दबाव बनाते दिखे। इसके बाद पीड़ितों के परिजनों ने भी डीएम पर आरोप लगाते हुए उनके तबादले की मांग की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका भी गांव पहुंचे और डीएम के तबादले की बात कही। यहां तक की हाईकोर्ट ने पहली पेशी के दौरान सरकार से पूछा कि जब एसपी को हटाया गया तो डीएम को क्यों नहीं, लेकिन सरकार ने डीएम के पक्ष में बात कही। लाख दबाव के बावजूद योगी सरकार ने डीएम प्रवीण को यहां से टस से मस से नहीं किया।

बीती 18 दिसंबर को सीबीआई ने इस मामले की चार्जशीट हाथरस कोर्ट में दाखिल कर दी है। अब गेंद कोर्ट के पाले में है। हर तरह से इस मामले के तूफान का गुब्बार थम गया है। साल के आखिरी दिन सरकार ने प्रवीण को तबादल कर उन्हें मिर्जापुर का डीएम बनाया है। प्रवीण लगभग 22 माह की चर्चित पारी खेलने के बाद अपने अगले पड़ाव मिर्जापुर के लिए चल दिए हैं। रमेश रंजन हाथरस के अगले डीएम होंगे।

### पति की दुर्घटना में मौत, पत्नी ने लगाया न्याय की गुहार

बस्ती (एजेंसी)। जौनपुर जनपद के महराजगंज थाना क्षेत्र अर्न्तगत उमरी कला गांव निवासिनी ममता ने दुर्घटना में घायल होने के बाद अपने पति सियाराम शर्मा के मौत के मामले में दोषी कन्टेनर चालक के गिरफ्तारी और परिवार के जीविका के लिये आर्थिक सहायता की मांग किया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# पीएम मोदी ने आईआईएम संबलपुर के स्थाई कैंपस की रखी आधारशिला, कहा- आज के स्टार्टअप ही कल के उद्यमी बनेंगे

**नई दिल्ली। (एजेंसी)।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए ओडिशा के संबलपुर में भारतीय प्रबंधन संस्थान के स्थायी परिसर की आधारशिला रखी। इस कार्यक्रम में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक भी शामिल हुए। इस मौके पर पीएम ने कहा कि आज आईआईएम कैंपस के शिलान्यास के साथ ही ओड़िशा के युवा सामर्थ्य को मजबूती देने वाली एक नई शिला रखी गई है। आईआईएम का ये स्थायी कैंपस ओड़िशा की महान संस्कृति और संसाधनों की पहचान के साथ ओड़िशा को मैंनेजमेंट की दुनिया में नई पहचान देने वाला है। आज के स्टार्टअप कल की बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं। अधिकांश स्टार्टअप देश के टियर आईआई और आईआईएम शहरों में आ रहे हैं। खेती के क्षेत्र से लेकर अंतरिक्ष क्षेत्र तक स्टार्टअप्स का दायरा बढ़ता जा रहा है।

इस अवसर पर मोदी ने कहा कि बीते दशकों में एक ट्रेंड देश ने देखा, बाहर बने मल्टी नेशनल बड़ी संख्या में आए और इसी धरती में आगे भी बढ़े। ये दशक और ये सदी भारत में नए-नए मल्टीनेशसल्स के निर्माण का है। देश के नए क्षेत्रों में नए अनुभव लेकर निकल रहे मैंनेजमेंट एक्सपर्ट भारत को नई ऊंचाई पर ले जाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। इस साल भारत ने कोविड संकट के बावजूद पिछले सालों की तुलना में ज्यादा यूनिकॉर्न दिए हैं। जब आपमें से अनेक साथी संबलपुरी टेक्सटाइल और कटक की फिलिगिरी कारीगरी को ग्लोबल पहचान दिलाने में अपने कौशल का इस्तेमाल करेंगे, यहां के टूरिज्म को बढ़ाने के लिए काम करेंगे। तो आत्मनिर्भर भारत अभियान के साथ ही ओड़िशा के विकास को भी नई गति मिलेगी।

मोदी ने कहा कि स्थानीय को वैश्विक में बदलने के लिए, आईआईएम छात्रों को नए और नए समाधान खोजने की जरूरत है। मुझे यकीन है कि हमारे आईआईएम स्थानीय उत्पादों और वैश्विक सहयोग के बीच एक सेतु का काम कर सकते हैं। प्रबंधन कौशल के लिए काम का पैटर्न और मांग तेजी से बदल रही है। आज, टॉप-डाउन और टॉप-हेवी मैनेजमेंट की जरूरत नहीं है। यह सहयोगी, नवीन और परिवर्तनकारी प्रबंधन में बदल गया है। Work from anywhere के कॉन्सेप्ट से पूरी दुनिया ग्लोबल विलेज से ग्लोबल वर्कप्लेस में बदल गई है। भारत ने भी इसके लिए हर जरूरी रिफॉर्म्स बीते कुछ महीनों में तेजी से किये हैं।

## सार समाचार

### एमएनएस ने औरंगाबाद का नाम बदलने की मांग करते हुए किया प्रदर्शन, शिवसेना की आलोचना भी की

नासिक। औरंगाबाद शहर का नाम बदल कर संभाजीनगर करने के विषय पर जारी विवाद के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को नासिक शहर में राज्य परिवहन की एक बस के गंतव्य स्थान का बोर्ड बदल दिया और नाम बदले जाने के समर्थन में प्रदर्शन किया। पार्टी के नगर अध्यक्ष अंकुश पवार और अन्य कार्यकर्ता ठक्कर बाजार बस स्टैंड में घुस गये और औरंगाबाद जाने वाली बस में लगे गंतव्य स्थान के बोर्ड को बदल कर संभाजीनगर कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने यह मांग की कि महाविकास आघाडी सरकार को 26 जनवरी तक शहर का नाम बदल कर संभाजीनगर कर कर देना चाहिए। कांग्रेस के साथ गठजोड़ के कारण इस मुद्दे पर रुख नरम करने का शिवसेना पर आरोप लगाते हुए मनसे ने उसकी (शिवसेना की) भी आलोचना की। गौरतलब है कि इस हफ्ते की शुरूआत में प्रदेश कांग्रेस प्रमुख बालासाहेब थोराट ने कहा था कि शहर का नाम बदलने के किसी भी प्रस्ताव का उनकी पार्टी विरोध करेगी।

### अखिलेश के 'भाजपा की वैक्सीन' नहीं लगवाने वाले बयान को अनुराग ठाकुर ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण, कही यह अहम बात

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के भाजपा की वैक्सीन नहीं लगवाऊंगा वाले बयान पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। बता दें कि वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण क्या हो सकता है कि एक युवा नेता कोरोना वैक्सीन को एक राजनीतिक पार्टी के साथ जोड़े। समाचार एजेंसी के साथ बातचीत में अनुराग ठाकुर ने अखिलेश यादव के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि उनका बयान यह दर्शाता है कि वह राजनीति से ऊपर का कुछ नहीं सोच सकते हैं। उल्लेखनीय है कि अखिलेश यादव ने कहा था कि वह भाजपा की कोरोना वैक्सीन नहीं लगवाएंगे और उनकी सरकार आने पर सभी का मुफ्त में वैक्सीनेशन होगा। उन्होंने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा था कि मैं तो अभी वैक्सीन नहीं लगवाऊंगा, मैंने अपनी बात कह दी। वह भी भाजपा लगाएगी, उसका भरोसा करूं मैं। अरे जाओ भई, अपनी सरकार आएगी तो सबको मुफ्त में वैक्सीन लगेगी।

### पिथौरागढ़ में कोविड-19 की रोकथाम के लिए 48 घंटे का लॉकडाउन शुरु

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ कस्बे में शनिवार को सुबह सात बजे से कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए 48 घंटे का लॉकडाउन शुरू हुआ। उपसंभागीय मजिस्ट्रेट तुषार सैनी ने बताया कि कस्बे के सभी कार्यालय व व्यापारिक प्रतिष्ठान 48 घंटे के लिये बंद रहेंगे। उन्होंने कहा कि दवा की दुकानें हमेशा की तरह खुली रहेंगी और सब्जी की दुकानें सुबह 10 बजे तक ही खुली रह सकती हैं। अधिकारियों ने यहां कहा कि जिला प्रशासन ने शहर और जिले के कुछ अन्य हिस्सों में मामलों में वृद्धि देखने के बाद प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। इसी तरह की पाबंदियां हाल ही में जिले के गंगोलीहाट और गनई कस्बों में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के उपाय के तौर पर लगाई गई थीं।

### मुख्यमंत्री योगी का ऐलान, उत्तर प्रदेश में मकर संक्राति तक कोरोना का टीका उपलब्ध करवाएगी सरकार

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि राज्य में कोविड-19 का टीका मकर संक्रांति के आसपास उपलब्ध होने की संभावना है। एक में उन्होंने कहा, हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतत्व में मार्च 2020 में कोविड-19 के खिलाफ अभियान शुरू किया और टीके का ड्राइ रन पांच जनवरी को पूरे प्रदेश में होगा। कोविड -19 का टीका मकर संक्रांति के आसपास उपलब्ध होगा।'' मुख्यमंत्री आज को गोरखपुर में कलेक्ट्रेट परिसर में अधिवक्ता भवन का शिलान्यास कर रहे थे। इससे पहले ही समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी का कोरोना टीका नहीं लगवायेंगे और उनकी सरकार आने पर सभी को निःशुल्क टीका लगेगा। उनके इस बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे देश के वैज्ञानिकों और डॉक्टरों का अपमान बताया है।

### सत्येंद्र जैन का ऐलान, दिल्लीवालों को मुफ्त में लगायी जाएगी कोरोना वायरस की वैक्सीन

नयी दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने शनिवार को कहा कि दिल्ली के लोगों को कोविड-19 का टीका निःशुल्क लगाया जाएगा, बस इसके आने का इंतजार है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार टीकाकरण अभियान के लिए तैयारियां कर चुकी है। टीकाकरण पूर्वाभ्यास के तहत दरियागंज में एक केंद्र के दौरे पर पहुंचे जैन ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि अब तक तो पूरी व्यवस्था 'त्रुटिरहित' लग रही है। उन्होंने कहा, 'मैं यहां पूर्वाभ्यास के तहत तैयारियों का जायजा लेने के लिए आया हूं। इसके लिए तीन स्थलों का चयन किया गया है जिनमें शाहदरा स्थित जीटीबी अस्पताल, दरियागंज का शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और द्वारका स्थित वेंकटेश्वर अस्पताल शामिल है।'

# भागवत के देशभक्त वाले बयान पर मचा घमासान, ओवैसी ने किया पलटवार

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

आरएसएस यानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिसके प्रमुख हैं मोहन भागवत। मोहन भागवत ने हिन्दुओं को देशभक्त बताया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई हिन्दू है तब वह देशभक्त होगा और यह उसका बुनियादी चरित्र एवं प्रकृति है। संघ प्रमुख ने महात्मा गांधी की उस टिप्पणी को उद्धृत करते हुए यह बात कही जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी देशभक्ति की उत्पत्ति उनके धर्म से हुई है। जे के बजाज और एम डी श्रीनिवास लिखित पुस्तक 'मेकिंग आफ ए हिन्दू पैट्रियट ~ बैकग्राउंड आफ गांधीजी हिन्द स्वराज' का लोकार्पण करते हुए मोहन भागवत ने यह बात कही। मोहन भागवत का बयान आते ही एआईएनआईएन नेता और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी समते कई राजनीतिक दलों ने इसपर पलटवार किया।

**ओवैसी का पलटवार**

असदुद्दीन ओवैसी ने मोहन भागवत के बयान पर ट्वीट करते हुए पूछा कि गांधी जी के हत्यारे गोडसे के बारे में क्या कहेंगे? नेली नरसंहार, 1984 के सिख विरोधी दंगे और 2002 के गुजरात दंगे के जिम्मेदार लोगों पर क्या कहेंगे? ओवैसी ने आगे लिखा कि यह मानना तर्कसंगत है कि अधिकांश भारतीय देशभक्त हैं, भले ही वो किसी को भी मानते हों। लेकिन आरएसएस की बेतुकी विचारधारा एक धर्म के लोगों को अपने आप देशभक्ति का सार्टिफिकेट देती है। जबकि दूसरों को इसे साबित करने में यहां तक कि खुद को भारतीय कहने में अपना पूरा जीवन लगाना पड़ता है।

**मोहन भागवत ने क्या दिया था बयान**

भागवत ने कहा कि जमीन की पूजा, माटी की पूजा भारत वर्ष के सभी लोगों में है। यह किसी न किसी रूप में विद्यमान है। लेकिन गांधी जी ने जो कहा वो गौर करने लायक है। गांधी जी ने कहा कि मेरी देशभक्ति मेरे धर्म से निकलती है। हिन्दू हैं तो देशभक्त होना ही पड़ेगा उसको। उसके मूल में उसके प्रकृति में ये है। हां ऊपर की राख, धूल झाड़कर उसको खड़ा करना पड़ता है। सोया हुआ देशभक्त रहता है, जागरूक देशभक्त रहता है। ये हो सकता है। लेकिन भारत विरोधी ऐसा कोई नहीं रहता है।

# महाराष्ट्र: विधायक ने जहाजों पर फंसे 39 भारतीयों की मदद के लिए केंद्र को लिखा पत्र

**पालघर (महाराष्ट्र)। (एजेंसी)।**

महाराष्ट्र के बहुजन विकास आघाडी विधायक क्षितिज ठाकुर ने विदेश मंत्री को एक पत्र लिख कर पिछले कुछ महीनों से चीनी जल क्षेत्र में दो मालवाहक जहाजों पर फंसे 39 भारतीयों की सहायता करने का अनुरोध किया है। दोनों जहाजों में फंसे भारतीयों में कई लोग महाराष्ट्र से हैं। पालघर जिले की नल्लासोपारा सीट से विधायक ठाकुर ने शुक्रवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर को लिखे पत्र में दावा किया है कि जहाज एमवी जग आनंद और एमवी अनासतासिया पर फंसे चालक दल के कुछ सदस्य जिले के वसई तालुका के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि जहाज पर फंसे भारतीय अवसाद से ग्रसित हो रहे हैं और उन्हें तत्काल सहायता की जरूरत है। विधायक ने पत्र में कहा, मैं आपसे निवदेन करता हूं कि तत्काल इस मामले की ओर ध्यान दें और जहाजों पर फंसे भारतीयों को बचाने में सहायता करें। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को विदेश मंत्रालय ने कहा था कि जहाजों पर फंसे 39 भारतीयों की मानवीय जरूरतों का ध्यान रखने और इस मुद्दे का जल्द समाधान निकालने के लिये चीनी प्रशासन के साथ भारतीय उच्चायोग लगातार सम्पर्क में है। इसके अलावा विदेश मंत्रालय भी नयी दिल्ली स्थित चीनी दूतावास के सम्पर्क में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि मालवाहक पोत एमवी जग आनंद 13 जून से चीन के हुबेई प्रांत में जिंगटांग बंदरगाह के पास खड़ा है और उस पर 23 भारतीय नागरिक चालक दल के रूप में सवार हैं। उन्होंने बताया कि एक अन्य पोत एमवी अनासतासिया पर 16 भारतीय नागरिक चालक दल के रूप में हैं और यह 20 सितंबर से चीन के कोओफिदियन बंदरगाह के पास खड़ा है और माल के निपटारे का इंतजार कर रहा है। श्रीवास्तव ने कहा कि चीनी प्रशासन ने बताया है कि स्थानीय प्रशासन द्वारा कोविड-19 के मद्देनजर कई तरह के प्रतिबंध लगाने के कारण इन बंदरगाहों पर चालक दल में बदलाव की अनुमति नहीं दी गई।

# स्मृति ईरानी के खिलाफ वर्तिका सिंह द्वारा दायर अर्जी पर सुनवाई 11 जनवरी को होगी

**सुलतानपुर (उप्र)। (एजेंसी)।**

जिले की एक अदालत ने केंद्रीय मंत्री और अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी समेत दो अन्य लोगों के खिलाफ अन्तरराष्ट्रीय निशानेबाज वर्तिका सिंह द्वारा दायर अर्जी पर सुनवाई के लिए 11 जनवरी की तारीख तयकी है। ईरानी के खिलाफ सिंह द्वारा दी गई अर्जी पर विचार करते हुए शनिवार को अपर जिला जज पीके जयंत की अदालत ने अगली तारीख 11 जनवरी तय की। सिंह के वकील रोहित त्रिपाठी ने अदालत के समक्ष आज अपनी बात रखी। उनका पक्ष सुनने के बाद अदालत ने अर्जी को सुनवाई के लिए स्वीकार करने और क्षेत्राधिकार तय करने के लिए अगली तारीख तय की।

सिंह ने आज कहा, 'मुझे बदनाम करने के लिए जो खेल केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और उनके सहयोगियों द्वारा खेला जा रहा है, उसके विरोध में मैंने मानहानि का मुकदमा दायर किया है। मेरा किसी राजनीतिक पार्टी से कोई संबंध नहीं है।' ज्ञात हो कि सिंह ने अदालत में अर्जी देकर ईरानी और उनके निजी सचिव विजय गुप्ता और डॉक्टर रजनीश सिंह के खिलाफ आरोप लगाया था कि उन्होंने निशानेबाज को महिला आयोग का सदस्य बनाने के नाम पर 25 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने मामले की सुनवाई दो जनवरी, शनिवार के लिए तय की थी।

उल्लेखनीय है कि इसके पहले 23 नवंबर को गुप्ता ने अमेठी जिले के मुसाफिरखाना थाना में सिंह और कमल किशोर (नाम पता अज्ञात) के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी थी और आरोप लगाया था कि आयुष राज्य मंत्री को रायबरेली में अस्पताल निर्माण के लिए लिखे गए पत्र में कुछ गड़बड़ी करके सिंह मेरे विरूद्ध निराधार आरोप लगाकर मानसिक रूप से परेशान कर रही हैं। गुप्ता ने यह भी आरोप लगाया कि वर्तिका सिंह और कमल किशोर सहित अन्य लोग उनकी छवि धूमिल करने का षडयंत्रकर रहे हैं।

## धार्मिक स्थलों पर नियंत्रण के लिए अध्यादेश लाने की तैयारी में योगी सरकार

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में गैरकानूनी धर्मांतरण कानून को मंजूरी देने के बाद अब योगी सरकार एक और अध्यादेश ला सकती है। उत्तर प्रदेश सरकार अब निजी और सार्वजनिक भूमि पर धार्मिक स्थानों को विनियमित करने और नियंत्रित करने के लिए जल्द ही एक अध्यादेश ला सकती है। हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष इस संबंध में एक प्रस्ताव रखा गया है। अगर यह कानून आता है तो जाहिर सी बात है कि इस पर भी विवाद हो सकता है क्योंकि सिर्फ सरकारी ही नहीं बल्कि निजी जमीन पर भी बने धार्मिक स्थलों पर योगी सरकार अध्यादेश लाने की तैयारी कर रही है। इस बात को लेकर भाजपा और अधिकारियों को सरकार की मंशा से अवगत करा दिया गया है। धार्मिक मामलों का विभाग इस मुद्दे पर फिलहाल विचार विमर्श कर रहा है और जानकारियां जुटा रहा है। हालांकि भाजपा की ओर से यह पहली बार प्रयास नहीं किया जा रहा है। इससे पहले भी भाजपा इस तरीके का कानून लाने की तैयारी में थी जब साल 2000 में राम प्रकाश गुप्ता उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। उस समय इसका नाम यूपी रेगुलेशन ऑफ पब्लिक रिलीजियस बिल्डिंग एंड प्लेसेस बिल 2000 रखा गया था। भारी विरोध के बावजूद इसे विधानसभा में पारित करा लिया गया था। इसके बाद इस बिल को राज्यपाल के पास भेजा गया था। राज्यपाल सूरजभान ने इसे राष्ट्रपति की सहमति के लिए भेजा और यह फाइल राष्ट्रपति के पास ही पड़ा रह गया। उस वक्त के आर नारायणन देश के राष्ट्रपति थे।

# साल 2020 में सीमा गतिरोध, संवैधानिक सुरक्षा की मांग जैसी वजहों से चर्चा में रहा लद्दाख

**लेह। (एजेंसी)।**

केन्द शासित क्षेत्र का दर्जा मिलने के बाद लद्दाख भारत और चीन के बीच सात माह तक चले गतिरोध तथा क्षेत्र की पहचान और बेजोड़ संस्कृति को बचाए रखने के लिए संवैधानिक सुरक्षा की मांग आदि के कारण पूरे वर्ष चर्चा में रहा। लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (एलएएचडीसी) के चुनाव के साथ ही संवैधानिक सुरक्षा की मांग ने तेजी पकड़ी। उप राज्यपाल आर के माथुर ने लोगों को लगातार संस्कृति, जमीन, पर्यावरण और नौकरियों का आश्वासन दिया। माथुर ने यहां 'लद्दाख विज़न' पर चर्चा के लिए एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा था, ''विज़न 2050 लद्दाख की वास्तविकता को दिखाने वाला और लोगों के कल्याण के बीच तालमेल दर्शाने वाला होना चाहिए। विज़न2050 लद्दाख केन्द्रित और इसकी बेमिसाल संस्कृति और पहचान के बीच तालमेल वाला होना चाहिए।''

अगर कोविड-19 महामारी की बात की जाए तो यहां महामारी से जान गंवाने का पहला मामला जून में सामने आया था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी नामग्याल की मौत के कुछ घंटों के बाद उनमें संक्रमण की पुष्टि हुई थी। इस क्षेत्र में खास तौर पर लेह जिले में बाद के महीनों में संक्रमण के मामले बढ़े और मरने वालों की संख्या 125 पर पहुंच गई। भारत और चीन के सैनिकों के बीच पेगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़पों के बाद पांच मई को सैन्य गतिरोध के कारण यह क्षेत्र सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। पूर्वी लद्दाख के गलवान घाटी में जून में ऐसी ही एक घटना में भारत के 20 सैनिक शहीद हो गए थे। चीनी सैनिक भी इसमे हताहत हुए थे लेकिन चीन ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की थी।

अमेरिका खुफिया रिपोर्ट में कहा गया था कि चीन के 35 सैनिक मारे गए हैं। इन घटनाओं के बाद से भारत और चीन के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए कई दौर की बातचीत हो चुकी है लेकिन अभी तक कोई ठोस हल नहीं निकला है। एलएएचडीसी-लेह चुनाव पर उस वक्त संशय के बादल मंडराने लगे थे जब विभिन्न राजनीतिक, धर्मिक और सामाजिक संगठनों ने अपनी मांगे मनवाने के लिए 'पीपुल्स मूवमेंट फॉर सिक्थ शिड्यूल फॉर लद्दाख' (पीएमएसएसएल) के तले मिल कर चुनाव के बहिष्कार की घोषणा की। हालांकि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हस्तक्षेप के बाद बहिष्कार के आह्वान को वापस लिया गया और अक्टूबर माह में सफलतापूर्व चुनाव कराए गए।

चुनाव में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला और पार्टी ने 26 में से 15 सीटों पर जीत दर्ज की। कांग्रेस नौ सीटों के साथ दूसरे नंबर पर रही। स्मार्टसिटी मिशन के तहत करगिल और लेह दोनों जिलों को स्मार्ट सिटी सहयोग के लिए चुना गया है। अधिकारियों ने कहा कि अगले वर्ष यहां विकास कार्यों की बाढ़ सी आने की उम्मीद है और बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

# तीन तलाक कानून के तहत आरोपी को अग्रिम जमानत देने पर कोई रोक नहीं: न्यायालय

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) कानून 2019 के तहत अपराध के आरोपी को अग्रिम जमानत देने पर कोई रोक नहीं है। न्यायालय ने हालांकि कहा कि अदालत को अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार करने से पहले शिकायतकर्ता महिला का पक्ष भी सुनना होगा। गौरतलब है कि इस कानून के तहत मुस्लिमों में एक ही बार में 'तीन तलाक' कहकर शादी तोड़ देने की प्रथा दंडनीय अपराध के दायरे में आ गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि कानून के प्रावधानों के तहत पत्नी को तीन तलाक कहकर रिश्ता तोड़ देने वाले मुस्लिम पति को तीन साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

न्यायमूर्ति डी.वाई.चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कानून की संबंधित धाराओं और दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के प्रावधानों का जिक्र किया जो व्यक्ति की गिरफ्तारी की आशंका होने पर उसे जमानत देने से जुड़े निर्देशों से संबंधित हैं। न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा और न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी भी पीठ का हिस्सा थीं। पीठ ने कहा, ''उपरोक्त कारणों से, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि कानून की धारा 7(सी) तथा सीआरपीसी की धारा 438 को कायम रखते हुए इस कानून के तहत अपराध के लिए आरोपी को अग्रिम जमानत याचिका देने पर कोई रोक नहीं है, हालांकि अदालत को अग्रिम जमानत देने से पहले शिकायतकर्ता विवाहित मुस्लिम महिला की बात भी सुननी होगी।'' शीर्ष अदालत ने एक महिला के उत्पीड़न के मामले में आरोपी सास को अग्रिम जमानत देते हुए यह कहा। महिला ने पिछले वर्ष अगस्त में प्राथमिकी दर्ज करवाई थी और आरोप लगाया था कि उसके पति ने उनके घर में उसे तीन बार तलाक बोला था। पीठ केरल उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें अदालत ने महिला को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था।

## चीन को सबक सिखाने की एक और तैयारी, आधुनिक गश्ती नौकाएं खरीदेगी भारतीय सेना

नयी दिल्ली। एलएसी पर जारी विवाद के बीच भारतीय सेना सीमा पर अपनी ताकत को और मजबूत करने जा रही है। सीमा पर गश्ती के लिए सेना ने आधुनिक नौकाओं को खरीदने के प्रस्ताव को अंतिम रूप दे दिया है। इन नौकाओं के आने से सेना चीन की हर चाल पर पैनी नजर रख सकती है। यह नौकाएं पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील और सीमावर्ती क्षेत्रों के अन्य जल निकायों में गश्त करने के लिए सेना की मदद करेंगे। सेना ने इसके लिए 12 फास्ट पेट्रोल नौका खरीदने के लिए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के साथ अनुबंध किया है। फास्ट पेट्रोल नौका की डिलीवरी सेना को मई 2021 से मिलने शुरू हो जाएगी। नौकाओं का संचालन और रखरखाव भारतीय सेना के इंजीनियर्स के द्वारा किया जाएगा। आपको बता दें कि भारत और चीन के बीच टकराव 2020 के मई जून में शुरू हुआ था। अब तक दोनों देशों के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर कई दौर की बातचीत हो चुकी है लेकिन स्थितियां जस के तस बनी हुई है। पिछले दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस बात को स्वीकार किया था कि अभी भी एलएसी पर परिस्थितियां अनुकूल नहीं हुई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)